संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

# शहर समता

वर्ष-21 अंक- 36
पृष्ठ 8
बुधवार
23 अक्टूबर 2024
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- शाम की चाय के साथ.....

विचार- जंगल बचाने का....

खेल- पुणे में कैसा होगा....

## यूपी में रेशम उद्योग के क्षेत्र में अपार संभावनायें : योगी

**● यूपी की प्रगति संतोषजनक पर संभावनाओं को देखते हुए ये पर्याप्त नहीं**

**● यूपीवासियों को मिलेगा रोजगार**

लखनऊ, एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को कहा कि उत्तर प्रदेश में रेशम उद्योग के क्षेत्र में अपार संभावनायें और प्रचुर संसाधन है जिसकी बदौलत यह राज्य भारत को रेडिमेट गारमेंट्स के क्षेत्र में दुनिया में अहम स्थान दिला सकता है। इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में सिल्क एक्सपो के उदघाटन के अवसर पर श्री योगी ने कहा कि रेडीमेड गारमेंट्स के क्षेत्र में दुनिया के छोटे–छोटे देशों की धमक है। जिन लोगों के पास संसाधन कम और संभावनाएं न के बराबर हैं, वे आगे बढ़ चुके हैं। हमारे पास संभावना और संसाधन भी है। काम चाहने वाली आधी आबादी के बड़े तबके को रेशम उत्पादन, प्रोसेसिंग, रेडिमेड गारमेंट, डिजाइनिंग, मार्केटिंग, पैकेजिंग के साथ जोड़ लें तो दुनिया में रेडिमेड गारमेंट में धमक बनाने वाले देशों का स्थान उत्तर प्रदेश व भारत ले सकता है। इस संभावना को आगे बढ़ाने के लिए प्रदेश सरकार के द्वारा उठाए गए कदमों का लाभ लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमने रेशम उत्पादन को 84 गुना बढ़ाने में सफलता प्राप्त की है। एक समय वह जरूर आ सकता है, जब यूपी का किसान रेशम उत्पादन में देश में अग्रणी राज्यों में गिना जाएगा। सीएम योगी आगे कहा कि 2017 में भाजपा सरकार आने के बाद प्रदेश ने परंपरागत उत्पाद को प्रोत्साहित करने के लिए अनेक कदम उठाए हैं। उत्तर प्रदेश देश का पहला ऐसा राज्य है, जिसने परंपरागत उत्पाद के लिए पॉलिसी बनाई। 75 जनपदों के लिए वहां के एक उत्पाद को चिह्नित करते हुए आगे बढ़ाया। यही कारण है कि 75 जनपद का यूनिक प्रोडक्ट है, जिसे हमने वन डिस्ट्रिक्ट, वन प्रोडक्ट कहा। ओडीपीओपी को सरकार ने मार्केट, डिजाइनिंग, पैकेजिंग से जोड़ा तो इससे रोजगार का सृजन हुआ और परंपरागत उत्पादों का एक्सपोर्ट भी प्रारंभ हुआ। यूपी के 75 जनपदों में 75 जीआई प्रोडक्ट हैं, जिन्हें देश के अंदर मान्यता प्राप्त हुई है। यह संभावना यूपी में हैं। वाराणसी, भदोही व मुबारकपुर की साड़ियों के माध्यम से भी यूपी के पोटेंशियल को बढ़ाने का अवसर प्राप्त होता है। सिल्क एक्सपो इस फील्ड में यूपी की संभावनाओं को आगे बढ़ाने का माध्यम बने, इस पर हमें प्रयास करना होगा। उन्होंने कहा कि रोटी, कपड़ा और मकान का नारा सदैव से प्रचलित रहा है। जीव सृष्टि व किसी भी व्यक्ति के लिए हवा–पानी तो आवश्यक है ही, लेकिन रोटी, कपड़ा, मकान भी आवश्यक है। कपड़ा न सिर्फ जीवन की आवश्यकता है, बल्कि किसानों की आमदनी बढ़ाने के साथ ही रोजगार सृजन का भी सशक्त माध्यम भी है। रेशम, प्राचीन काल से ही इसकी अलग–अलग पद्धतियां रही हैं। 25 करोड़ की आबादी वाले यूपी में इस फील्ड में अनेक संभावनाएं विकसित हो सकती हैं। उप्र ने पिछले कुछ समय में प्रगति की है। पहले की तुलना में यह संतोषजनक है, लेकिन अभी उप्र जैसे बड़े राज्य की दृष्टि से यह अपर्याप्त है। यहां अत्यंत संभावनाएं हैं। योगी ने कहा कि सभी को देखना चाहिए कि उत्तर प्रदेश के अंदर क्या संभावनाएं विकसित हो सकती हैं। यूपी में वाराणसी–भदोही, आजमगढ़ से लेकर वाराणसी तक, चाहे वह मुबारकपुर की साड़ी हो या वाराणसी की। सिल्क कलस्टर विकसित करने के लिए केंद्र व राज्य सरकार ने इस दिशा में नए प्रयास को आगे बढ़ाया है। वाराणसी की सिल्क साड़ियां पूरे देश में हर मांगलिक कार्यक्रम के लिए पसंद बनती हैं। काशी विश्वनाथ धाम बढ़ने के बाद श्रद्धालुओं व पर्यटकों की बढ़ी संख्या ने इस व्यापार को नई ऊंचाई दी है। वाराणसी में एक्सपो मार्ट के माध्यम से ट्रेड फैसिलिटेशन सेंटर बनने के उपरांत इसमें काफी वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि आजमगढ़ के मुबारकपुर के साड़ी उद्योग से जुड़े उद्यमियों, मीरजापुर, वाराणसी व भदोही के सिल्क कलस्टर की प्रगति को देखकर लगता है कि इसमें बहुत गुंजाइश है। उत्तर प्रदेश के लखनऊ–हरदोई बार्डर पर पीएम मित्र पार्क (टेक्सटाइल्स पार्क का वृहद रूप) आने जा रहा है।

## यूक्रेन विवाद को सुलझाने के लिए भारत हरसंभव सहयोग देने को तैयार

**● प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कज़ान में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ द्विपक्षीय बैठक की**

कज़ान, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कज़ान में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ द्विपक्षीय बैठक की और उनसे कहा कि वे यूक्रेन संघर्ष के शीघ्र, शांतिपूर्ण समाधान का समर्थन करते हैं और उन्होंने कहा, ''भारत हमेशा शांति लाने में मदद करने के लिए तैयार है''। मंगलवार को द्विपक्षीय बैठक के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति पुतिन से कहा, ''मैं रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे संघर्ष के विषय पर लगातार आपके संपर्क में रहा हूं। जैसा कि मैंने पहले कहा है, हमारा मानना है कि समस्याओं का समाधान शांतिपूर्ण तरीके से किया जाना चाहिए। हम शांति और स्थिरता की शीघ्र स्थापना का पूरा समर्थन करते हैं। हमारे सभी प्रयासों में मानवता को प्राथमिकता दी गई है। भारत आने वाले समय में हर संभव सहयोग प्रदान करने के लिए तैयार है।'' प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि पिछले तीन महीनों में रूस की उनकी लगातार यात्राओं ने दोनों देशों के बीच संबंधों को और मजबूत किया है। उन्होंने बैठक के दौरान कहा, मैं आपकी मित्रता, गर्मजोशी भरे स्वागत और आतिथ्य के लिए दिल से आभार व्यक्त करता हूं। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के लिए कज़ान जैसे खूबसूरत शहर में आने का अवसर मिलना मेरे लिए बहुत खुशी की बात है। कज़ान में भारत के नए वाणिज्य दूतावास के खुलने से ये संबंध और मजबूत होंगे। प्रधानमंत्री ने पुतिन से कहा यूक्रेन विवाद को सुलझाने के लिए भारत हरसंभव सहयोग देने को तैयार है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को कज़ान में 16वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के इतर रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की। द्विपक्षीय बैठक में प्रधानमंत्री ने यूक्रेन विवाद के शांतिपूर्ण समाधान के लिए हरसंभव सहयोग देने की भारत की इच्छा जताई। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, ष्रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे विवाद के विषय पर मैं लगातार आपके संपर्क में रहा हूं। जैसा कि मैंने पहले कहा है, हमारा मानना ध्है कि समस्याओं का शांतिपूर्ण तरीके से समाधान किया जाना चाहिए। हम शांति और स्थिरता की शीघ्र स्थापना का पूरा समर्थन करते हैं। हमारे सभी प्रयासों में मानवता को प्राथमिकता दी जाती है।

## वक्फ पैनल की बैठक में हंगामा, तृणमूल सांसद ने गुस्से में बोतल तोड़ी, अपने हाथ को किया घायल

नई दिल्ली, एजेंसी। वक्फ विधेयक पर संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) की बैठक के दौरान उस समय तनाव बढ़ गया, जब तृणमूल सांसद कल्याण बनर्जी ने हताशा में कांच की पानी की बोतल तोड़कर अपना हाथ घायल कर लिया। यह घटना बनर्जी और भाजपा सांसद अभिजीत गंगोपाध्याय के बीच तीखी नोकझोंक के बीच हुई, जिसके कारण संसद भवन में कार्यवाही कुछ देर के लिए रोकनी पड़ी। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि बहस के दौरान बनर्जी ने बोतल से मेज पर प्रहार किया, जिससे उनके हाथ में गहरी चोट लग गई। सांसद को चोट के लिए चार टांके लगाने पड़े। दुर्घटना के बाद, उन्हें एआईएमआईएम नेता असदुद्दीन ओवैसी और आप के संजय सिंह बैठक कक्ष में वापस ले जाते हुए देखे गए।

## देश के कुछ सीआरपीएफ स्कूलों को मिली बम से उड़ाने की धमकी

**● ई मेल के जरिए संदेश भेजा गया**

नई दिल्ली, एजेंसी। देश भर के कई राज्यों के स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। इससे पहले रविवार को ही दिल्ली के एक सीआरपीएफ स्कूल के पास बम धमाका हुआ था। उसके बाद अब एक बार फिर से कई राज्यों में सीआरपीएफ स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। जानकारी के मुताबिक सेंट्रल रिजर्व पुलिस फोर्स यानी सीआरपीएफ के दिल्ली स्थित दो और हैदराबाद स्थित एक स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। ईमेल के जरिए सीआरपीएफ स्कूलों को उड़ाने की धमकी दी गई है। वहीं मेल भेजने वाले ने पूर्व डीएमके लीडर जफर सादिक की गिरफ्तारी का जिक्र भी किया है। इसे हाल में ही एनसीबी और ईडी ने गिरफ्तार किया था। वहीं तमिलनाडु के कोयंबटूर के चिन्नावेदमपट्टी और सरवनमपट्टी स्थित दो निजी स्कूलों को भी बम की धमकी दी गई है। जानकारी के मुताबिक जिन स्कूलों को बम की धमकी मिली है वहां बॉम्ब स्क्वाड की टीमों को भेजा गया है। धमकी मिलने वाले स्कूलों में बॉम्ब स्क्वाड की टीमों ने खाली करवा लिया है। यहां टीमें स्कूलों की जांच कर रही है। हालांकि अब तक स्कूलों में कोई संदिग्ध वस्तु होने की सूचना सामने नहीं आई है। बता दें कि ये पहला मौका नहीं है जब स्कूलों में बम की धमकी मिली है। इससे पहले भी एक साथ कई स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी। वहीं हाल ही में 20 अक्टूबर को दिल्ली के रोहिणी में सीआरपीएफ स्कूल के बाहर ब्लास्ट हुआ था। इस हमले में कोई घायल नहीं हुआ था। इस ब्लास्ट के कारण दुकानों और स्कूल की दीवारों को नुकसान पहुंचा था। पुलिस भी इस मामले की जांच में जुट गई है।

## ओडिशा में चक्रवात दाना की चेतावनी, बंद हुए स्कूल, सरकार ने जारी किया आदेश

ओडिशा, एजेंसी। ओडिशा में इन दिनोंचक्रवात की चेतावनी है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने बंगाल की खाड़ी पर बना कम दबाव का क्षेत्र 23 अक्टूबर तक चक्रवात दाना में हो सकता है। ओडिशा के पुरी और पश्चिम बंगाल में ये चक्रवात पहुंच सकता है। इस तूफान से निपटने के लिए स्थानीय प्रशासन ने भी पूरी तैयारी कर ली है। चक्रवात को लेकर ओडिशा के पुलिस महानिदेशक सुधांशु शेखर सदांगी ने पुष्टि की है कि पुलिस तूफान से उत्पन्न किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है। सदांगी ने संवाददाताओं से कहा, 'हम चक्रवात के मार्ग पर नज़र रख रहे हैं चाहे इसका असर बांग्लादेश पर पड़े या ओडिशा पर। हमारी कार्रवाई इसके प्रक्षेप पथ पर निर्भर करेगी, लेकिन फिलहाल तैयारियाँ पूरी हैं।''

## वायनाड के लिए मेरी बहन से बेहतर प्रतिनिधि की कल्पना नहीं कर सकता : राहुल

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा के केरल में वायनाड संसदीय क्षेत्र से नामांकन दाखिल करने से एक दिन पूर्व मंगलवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने अपने पूर्व निर्वाचन क्षेत्र की सराहना करते इस सीट के लिए कांग्रेस महासचिव को सबसे अच्छा प्रतिनिधि बताते हुए कहा कि वह कल्पना नहीं कर सकते कि वायनाड के लिए उनकी बहन से अच्छा कोई और प्रतिनिधि हो सकता है। नेता प्रतिपक्ष ने यह भी कहा कि सुश्री वाड्रा वायनाड की जरूरतों की एक जुनूनी पैरवीकार और संसद में एक शक्तिशाली आवाज होंगी। श्री गांधी ने 'एक्स' पर अपनी पोस्ट में कहा, "वायनाड के लोगों के लिए मेरे दिल में एक विशेष स्थान है, और मैं अपनी बहन प्रियंका गांधी से बेहतर उनके लिए किसी और प्रतिनिधि की कल्पना नहीं कर सकता।" उन्होंने कहा, "मुझे विश्वास है कि वह वायनाड की जरूरतों की जोशीली पैरोकार और संसद में एक शक्तिशाली आवाज साबित होंगी। आप लोग कल, 23 अक्टूबर को हमारे साथ जुड़ें, जब वह वायनाड लोकसभा क्षेत्र के लिए अपना नामांकन दाखिल करेंगी।

# अब्दुल्ला आजम के पासपोर्ट मामले में सुनवाई 8 नवंबर को,हाईकोर्ट ने आकाश सक्सेना से जवाबी हलफनामा दाखिल करने को कहा

प्रयागराज। सपा नेता आजम खान के बेटे अब्दुल्ला आजम के मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। अब्दुल्ला आजम के फर्जी पासपोर्ट के मामले में एक घंटे तक सुनवाई चली। हाईकोर्ट ने शिकायतकर्ता व रामपुर से मौजूदा बीजेपी विधायक आकाश सक्सेना से जवाबी हलफनामा मांगा है। सुनवाई के बाद कोर्ट ने 8 नवंबर की तारीख लगा दी। अब 8 को मामले की फाइनन हियरिंग होगी। इसके बाद फैसला आ सकता है। इस मामले की सुनवाई जस्टिस समित गोपाल की बेंच कर रही है। अब्दुल्ला आजम खान की याचिका में विशेष अदालत रामपुर के उस आदेश को चुनौती दी गई है। इसके तहत सीजेएम विशेष अदालत ने पासपोर्ट की सत्यता के पक्ष में सबूत रखने की अनुमति अर्जी निरस्त कर दी थी। इससे पहले कोर्ट ने अब्दुल्ला आजम की याचिका पर फैसला सुरक्षित कर लिया था लेकिन शिकायतकर्ता को पक्षकार न बनाने के कारण फैसला टाल दिया गया। याची की शिकायतकर्ता को पक्षकार बनाने की अर्जी स्वीकार करते हुए कोर्ट ने आकाश सक्सेना को नोटिस जारी किया है। कहा गया कि यदि शिकायतकर्ता को पक्षकार नहीं बनाया गया तो याचिका पोषणीय नहीं होगी। गलत जन्म तिथि पर फर्जी पासपोर्ट बनवाने के मामले में अब्दुल्ला आजम खान ने ट्रायल कोर्ट में प्रार्थना पत्र देकर कुछ वीडियो क्लिप, शादी के कार्ड आदि दस्तावेज की प्रमाणित प्रतिलिपि दाखिल करने की अनुमति मांगी थी। ट्रायल कोर्ट ने प्रार्थनापत्र को खारिज कर दिया था। ट्रायल कोर्ट के इसी आदेश को अब्दुल्ला आजम ने याचिका में चुनौती दी है। पूर्व में हाईकोर्ट ने ट्रायल कोर्ट की कार्रवाई पर रोक लगा दी थी। भाजपा नेता आकाश सक्सेना ने फर्जी पासपोर्ट मामले में 30 जुलाई 2019 को अब्दुल्ला के खिलाफ रामपुर के सिविल लाइंस थाने में धोखाधड़ी और पासपोर्ट एक्ट की धारा में मुकदमा दर्ज कराया था। इस मामले में रामपुर की एमपीध्एमएलए कोर्ट में सुनवाई चल रही है। अब्दुल्ला पर गलत दस्तावेजों से पासपोर्ट बनवाने का आरोप लगा है। आरोप है कि अब्दुल्ला आजम के शैक्षिक प्रमाण पत्र और पासपोर्ट विभाग को दी गई जानकारी अलग–अलग है। शिकायत के अनुसार अब्दुल्ला को 10 जनवरी 2018 को पासपोर्ट संख्या जेड–4307442 जारी हुआ था। इसमें अब्दुल्ला की जन्म की तारीख 30 सितंबर 1990 बताई गई है जबकि शैक्षिक प्रमाण पत्रों में एक जनवरी 1993 है।

# दोस्तों के साथ गंगा नहाने गए सगे भाइयों की डूबने से मौत, परिवार में मचा को कोहराम

प्रयागराज। दोस्तों के साथ गंगा स्नान के लिए गए दो सगे भाइयों की डूबने से मौत हो गई। साथ में गए दोस्त डर के मारे घर भाग आए और परिजनों को सूचना नहीं दी। देर शाम तक घर नहीं पहुंचने पर खोजबीन शुरू हुई तब दोस्तों ने घटना की

जानकारी दी। काफी खोजबीन के बाद शव बरामद किया गया। कैंट थाना क्षेत्र के अशोक नगर निवासी राजू पाल के दो पुत्र आयुष (12) और अविनाश (9) की गंगा में डूबने से मौत हो गई। दोनों सोमवार दोपहर बाद कैंट कछार में मोहल्ले के लड़कों के साथ गंगा नहाने गए थे। अचानक दोनों भाई गंगा में डूबने लगे और थोड़ी ही देर में गहरे पानी में समा गए। दोनों को डूबते देख सभी साथी घर भाग आए और डर की वजह से परिजनों को इसकी सूचना भी नहीं दिए। उधर, शाम तक जब दोनों घर नहीं लौटे तो परिवार के लोग उनके खोजबीन में जुट गए। कहीं पता न चलने पर साथियों से कड़ाई से पूछताछ किए। इसके बाद उन्होंने परिजनों को घटना की जानकारी दी। इसके बाद पीड़ित परिवार के लोग पुलिस के साथ घटना स्थल पर पहुंचे और गोताखोरों की मदद से दोनों बच्चों की खोजबीन शुरू कर दी, जहां देर शाम दोनों का शव बरामद किया गया। घटना के बाद परिजनों में चीख पुकार मची है।

# इलाहाबाद हाईकोर्ट ने जानकारी न देने पर जताई नाराजगी, वेतन से जुर्माना जमा करने का निर्देश

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मांगी गई जानकारी न देने वाले एटा के जिलाधिकारी व एसडीएम को अपने वेतन से एक– एक हजार रुपए हर्जाना राशि जिले की विधिक सेवा प्राधिकरण में दो हफ्ते में जमा करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने कहा है कि राजस्व संहिता की धारा 59(4)के तहत गांव सभा की जमीन की नवैयत बदलने की कानूनी कार्यवाही की जाय। यह आदेश न्यायमूर्ति सौरभ श्याम शमशेरी ने मनोज कुमार की जनहित याचिका को निस्तारित करते हुए दिया है। याची का कहना था कि गांव सभा को सरकार द्वारा दी गई जमीन की नवैयत को संशोधित करने पर कोई विधिक रोक नहीं है। सरकार धारा 59(4)के तहत आदेश दे सकती है। किंतु कोर्ट में ऐसा आदेश दाखिल नहीं किया गया। गांव सभा के वकील ने कहा कि गांव सभा ने प्रस्ताव भेजा है। किंतु अपर मुख्य स्थायी अधिवक्ता को इस बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई कि राजस्व अभिलेखों में परिवर्तन किया गया या नहीं। जबकि जिलाधिकारी को आदेश की जानकारी दी गई थी। इस पर कोर्ट ने कहा कोई विधिक अड़चन न हो तो कार्यवाही पूरी की जाय। जिलाधिकारी व एसडीएम ने जानकारी नहीं दी इसलिए उनके खिलाफ हर्जाना लगाया है।

# बेकाबू ट्रक ने घर लौट रहे युवक को रौंदा, मौत

प्रयागराज। धूमनगंज में सोमवार देर रात बुलेट से घर लौट रहे आकाश पाठक (30) को बेकाबू ट्रक ने रौंद दिया। इससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। घटना के बाद चालक ट्रक लेकर मौके से भाग निकला। देर रात तक पुलिस खोजबीन में लगी रही लेकिन उसका पता नहीं चल सका। आकाश पुत्र चंद्र मोहन पाठक राजरूपपुर का रहने वाला था। वह सोमवार को किसी काम से टीपीनगर गया था। रात करीब 11रू00 बुलेट से घर लौट रहा था कि इसी दौरान धूमनगंज में चतुर्थ वाहिनी पीएसी गेट के सामने हादसा हो गया। पीछे से आ रहे बेकाबू ट्रक ने पहले उसकी बुलेट में टक्कर मारी और वह सड़क पर गिरा तो उसे कुचल दिया। इससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। थाना प्रभारी अमरनाथ राय ने बताया कि आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों का फुटेज देखा जा रहा है। आरोपी चालक की तलाश की जा रही है।

# पुस्तक विमोचन और काव्य सम्मेलन 28 को

प्रयागराज। लोकरंजन प्रकाशन और शहर समता विचार मंच की ओर से 28 अक्तूबर को हिन्दुस्तानी एकेडेमी में पुस्तक विमोचन और कवि सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर लोक रंजन प्रकाशन की ओर से कवयित्री रचना सक्सेना के काव्य संग्रह छंद रचना का विमोचन भी होगा। इस मौके पर शायर अनवार अब्बास नकवी की अध्यक्षता में कवि सम्मेलन व मुशायरा होगा, जिसमें रचनाकार गीत, गजल व शायरी की प्रस्तुति करेंगे। मुख्य अतिथि आलोचक डॉ. सरोज सिंह, विशिष्ट अतिथि डॉ. प्रदीप चित्रांशी, डॉ. सविता कुमारी श्रीवास्तव, डॉ. रवि कुमार मिश्र, उमेश श्रीवास्तव होंगे।

## अवैध रिवाल्वर के साथ एक गिरफ्तार

प्रयागराज। अतरसुइया थाने की पुलिस ने सोमवार को देर रात एक युवक को फैक्ट्री मेड अवैध रिवाल्वर के साथ गिरफ्तार

किया। आरोपी के पास से छह जिंदा कारतूस भी बरामद की गई है। पुलिस के अनुसार देर रात मुखबिर की सूचना पर मीरापुर के समीप दबिश दी गई। सड़क किनारे एक युवक रिवाल्वर के साथ दिखा। पुलिस टीम को देखते हुए युवक ने भागने की कोशिश की, लेकिन उसे दबोच लिया गया। पुलिस आरोपी आशुतोष वर्मा निवासी सुल्तानपुर भावा थाना करैली के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई में जुटी है।

## प्रयागराज, प्रतापगढ़, कौशाम्बी की सुधारेगे आबोहवा

प्रयागराज। प्रयागराज मंडल के प्रयागराज, प्रतापगढ़ और कौशाम्बी के निकाय क्षेत्रों में 12 करोड़ रुपये से पर्यावरण सुधार होगा। 10 लाख से कम आबादी वाले क्षेत्र की आबोहवा सुधारने के लिए 15वें वित्त के बजट से राशि आवंटित की गई। सबसे अधिक 1.84 करोड़ रुपये प्रयागराज की नगर पंचायतों को मिले हैं। स्थानीय निकाय निदेशालय ने शनिवार को 15वें वित्त आयोग के मद से 10 लाख की कम आबादी वाले नगरों के लिए चार अरब, 96 करोड़, 58 लाख एक हजार रुपये जारी करने का आदेश जारी किया।

# दवा से ज्यादा स्पीच थेरेपी से दूर होता है हकलाना

प्रयागराज। हर कोई चाहता है कि वह सबसे अच्छा और स्पष्ट बोले। लेकिन हकलाने के कारण सही अक्षर, शब्द और ध्वनि का उच्चारण नहीं हो पाता। बचपन में हकलाने की वजह से कई तरह की परेशानियां होती है। इसका प्रभाव व्यक्तित्व विकास पर भी पड़ता है। स्कूल, कॉलेज व कार्यालय में कई दिक्कतों का सामना करना पड़ता है दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग की ओर से संचालित बचपन डे केयर स्कूल में हकलाने वाले भी कई बच्चों का स्पीच थेरेपी के माध्यम से निरूशुल्क उपचार किया जा रहा है। बचपन डे केयर स्कूल की शिक्षिका व स्पीच थेरेपी विशेषज्ञ आस्था द्विवेदी हकलाने वाले बच्चों को व्यवाहारिक तरीके से बोलना सिखाती हैं। स्पीच थेरेपी के जरिए वे अब तक 80 बच्चों का उपचार कर चुकी हैं। द एडवांस फिजियोथेरेपी सेंटर झूंसी के डॉ. वेद राजपूत ने बताया कि स्पीच थेरेपी एक ऐसी विधा है, जिसके माध्यम से बच्चों को बेहतर ढंग से बोलना और जो कम बोल पाते हैं उनको भी बोलना सिखाया जाता है। स्पीच थेरेपी से बच्चों में बोलने का विकास बहुत जल्दी होता है। हकलाने वाले बच्चों की स्पीच थेरेपी कम उम्र में ही शुरू कर देने से उपचार में मदद मिलती है।

## प्रयागराज महाकुंभ में दशाश्वमेध घाट का दिखेगा बदला स्वरूपः

# सीएम के दौरे के बाद पर्यटन विभाग ने तेज की तैयारियां, 80ः काम हुए पूरे

प्रयागराज। प्रयागराज में महाकुंभ को लेकर विभागों को अलग–अलग जिम्मेदारियां सौंपी गई है। साथ ही उन्हें समय से काम पूरा करने के लिए कहा गया है। वहीं सीएम के दौरे के बाद से काम में तेजी आई है। इसका असर है सौंदर्यीकरण आदि के काम 80 प्रतिशत तक पूरे हो गए हैं। सभी विभागों को कार्य पूरा कराने के लिए 15 नवंबर तक की समय सीमा निर्धारित की गई है। महाकुंभ में आने वाले श्रद्धालुओं को प्रयागराज में इस बार अलग अनुभव देने के लिए शहर के प्रमुख मंदिरों को विशेष रूप से संवारा जा रहा है। साथ ही पुराने गंगा घाटों को भी व्यवस्थित करने का कार्य तेजी से चल रहा है। इससे लोगों को यहां की विशेष अनुभूति हो सके। इन कार्यों को समय से पूरा कराने की जिम्मेदारी पर्यटन विभाग ने ली है। इसमें दशाश्वमेध घाट, महेवा घाट, अरैल घाट समेत अन्य घाट शामिल है। इसके अलावा प्रमुख मंदिरों में शूलटंकेश्वर महादेव, पड़िला महादेव, द्वादश माधव मंदिर का सौंदर्यीकरण किया जाना है। इसको तेजी से पूरा किया जा रहा है। क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी अपराजिता सिंह के मुताबिक वर्तमान में इन सभी का कार्य करीब 80 प्रतिशत तक पूरा किया जा चुका है। 15 नवंबर तक मिली डेड लाइन के हिसाब से इसको पूरा कराने में लोग लगे हुए हैं। महाकुंभ से पहले शहर के ऐतिहासिक मंदिर अलोपशंकरी और मनकामेश्वर मंदिर को भी संवारा जा रहा है। शासन की तरफ से दोनों मंदिरों के सौंदर्यीकरण के लिए छह–छह करोड़ का बजट जारी किया गया है। मनकामेश्वर मंदिर में सत्संग भवन का निर्माण, मुख्य प्रवेश द्वार को भव्य बनाना, म्यूरल बाना, फ्लोरिंग आदि कार्य कराए जा रहे है। इसके साथी अलोपशंकरी मंदिर में भी इन कार्यों को समय से पूरा कराने पर जोर दिया जा रहा है।

# फूलपुर सीट से पूर्व विधायकय पूर्व MLC के नाम सबसे आगे

प्रयागराज। प्रयागराज की फूलपुर विधानसभा सीट पर 13 नवंबर को होने वाले उपचुनाव को लेकर सियासी सरगर्मी तेज हो गई है। समाजवादी पार्टी (सपा) और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने अपने प्रत्याशी मैदान में उतार दिए हैं, जबकि भारतीय जनता पार्टी (ठश्रच) में अब भी प्रत्याशी चयन पर मंथन जारी है। शीर्ष नेतृत्व इस सीट पर जिताऊ उम्मीदवार की तलाश में है, क्योंकि सपा का इस क्षेत्र में प्रभावी वर्चस्व माना जा रहा है। फूलपुर सीट से चुनाव लड़ने के लिए ठश्रच में 40 से ज्यादा लोगों ने आवेदन किया है। हालांकि, पार्टी के शीर्ष स्तर पर तीन प्रमुख नामों पर चर्चा हो रही हैकृपूर्व सांसद केसरी देवी पटेल के बेटे और पूर्व विधायक दीपक पटेल, पूर्व डरू निर्मला पासवान, और भाजपा के पुराने नेता डॉ. विक्रम सिंह पटेल। सांसद प्रवीण पटेल की पत्नी गोल्डी सिंह पटेल भी टिकट की दौड़ में हैं, क्योंकि उनके पति प्रवीण पटेल के सांसद बनने के बाद यह सीट खाली हुई है। हालांकि, यदि उन्हें टिकट मिलता है, तो पार्टी को परिवारवाद के आरोपों का सामना करना पड़ सकता है। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य, पूर्व डरू निर्मला पासवान के पक्ष में हैं और उनकी पैरवी कर रहे हैं। निर्मला पासवान पासी बिरादरी से आती हैं, और पार्टी इस वर्ग को साधने के लिए उन्हें टिकट दे सकती है। सपा ने मुज्तबा सिद्दीकी को प्रत्याशी बनाया है, जो पूर्व विधायक रह चुके हैं, जबकि बसपा ने अपने पहले से घोषित प्रत्याशी शिवबरन पासी का टिकट काटकर जितेंद्र सिंह को मैदान में उतारने की योजना बनाई है। लोकसभा चुनाव में सपा और भाजपा के बीच कांटे की टक्कर हुई थी, जिसमें भाजपा के प्रवीण पटेल मामूली मतों से जीत पाए थे। ऐसे में फूलपुर विधानसभा सीट पर भी सपा और भाजपा के बीच कड़ा मुकाबला होने की संभावना है। BJP के महानगर अध्यक्ष राजेंद्र मिश्र ने दैनिक भास्कर से बातचीत में कहा कि टिकट के लिए 40–50 लोगों ने दावेदारी की है और पार्टी एक या दो दिनों में अपने प्रत्याशी की घोषणा कर देगी। पार्टी कार्यकर्ता और पदाधिकारी चुनाव की तैयारियों में पूरी तरह से जुटे हुए हैं, और बूथ स्तर पर पहुंचकर प्रचार–प्रसार कर रहे हैं।

# महापौर से उजाड़े गए दुकानदारों ने मांगी मदद

प्रयागराज। यातायात पुलिस लाइन से उजाड़े गए दुकानदारों ने सोमवार को महापौर उमेशचंद्र गणेश केसरवानी से मदद की गुहार लगाई है। दुकानदारों का कहना है कि दुकानें उजाड़े जाने के बाद दर्जनों परिवारों पर संकट मंडरा रहा। दुकाने इसी तरह बंद रहीं तो परिवार का खर्च चल पाएगा और न ही बैंक की किश्त अदा कर पाएंगे। महापौर सोमवार को उजाड़े गए दुकानदारों से मिलने गए थे। दुकानदारों ने ठेलों को कुचलने और मारपीट करने का आरोप लगाया। सभी दुकानदारों का कहना था दुकानों के लिए प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के तहत बैंकों से कर्ज लिया है। हर महीने किश्तों में लोन वापस कर रहे हैं। उजड़े दुकानदारों की पीड़ा सुनने के बाद महापौर ने एडीजी भानु भाष्कर से फोन पर बात की। पार्षद और टाउन वेंडिंग कमेटी के सदस्य ने न्याय के लिए दुकानदारों की ओर से महापौर को ज्ञापन दिया। पार्षद और टीवीसी के सदस्य इस मामले में एडीजी और नगर आयुक्त से भी मुलाकात करेंगे। दूसरी ओर अपर नगर आयुक्त अंबरीश बिंद ने मामले की जांच करके नगर आयुक्त को रिपोर्ट सौंप दी है।

## अतिक्रमण से रुका संस्कृत विद्यालय का निर्माण, चलाएं ऑनलाइन क्लास

प्रयागराज। करछना में निर्माणाधीन राजकीय संस्कृत उत्तर मध्यमा विद्यालय का निर्माण अतिक्रमण के कारण रुका है। इसकी जानकारी जिलाधिकारी रविंद्र कुमार मांदड़ की जिला शिक्षा समिति की बैठक में हुई। डीएम ने जब इसके बारे में पूछा तो डीआईओएस ने बताया कि जमीन करछना में चिह्नित है। इस पर अतिक्रमण है। जिलाधिकारी ने इस पर नाराजगी जाहिर कर एसडीएम करछना को दो दिन में कब्जा हटवाकर जमीन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। साथ ही डीआईओएस से कहा कि इसके कारण कक्षाएं नहीं प्रभावित हो सकती है। इसके लिए ऑनलाइन क्लासेस चलाने का प्रबंध करें। बैठक में प्रोजेक्ट अलंकार, राजकीय संस्कृत उत्तर मध्यमा विद्यालय के निर्माण, संस्कृत विद्यालय के बच्चों के छात्रवृत्ति, आपरेशन कायाकल्प जैसी योजनाओं के बारे में अफसरों से पूछा। डीआईओएस को निर्देश दिया कि विद्यालयों में विशेषज्ञ शिक्षकों की तैनाती की जाए। जिस विषय के शिक्षक न हों, उसके लिए दूसरे विद्यालयों से बच्चों को बुलाएं। ऑनलाइन कक्षाओं के बारे में विकल्प भी रखें। प्रोजेक्ट अलंकार के तहत विद्यालयों को आवश्यक व्यवस्थाओं से सुसज्जित करने, बच्चों को कुम्भ वालंटियर्स के रूप में अभी से तैयार करने के लिए कहा। बीएसए ने बताया कि आपरेशन कायाकल्प के तहत 19 पैरामीटर से संतृप्तीकरण के लिए 94.77 प्रतिशत संतृप्तीकरण हो गया है ।

# हाईटेंशन की चपेट में आया मजदूर, गंभीर

प्रयागराज। कोतवाली क्षेत्र के रामनगर चौराहे के पास निर्माणाधीन मकान में काम करने के दौरान एक मजदूर हाईटेंशन तार की चपेट में आकर बुरी तरह झुलस गया। गंभीर हालत में मजदूर को इलाज के लिए हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। पांडेय का पूरा अयोध्या कोरांव के रहने वाले कन्हई (35) रामनगर स्थित एक निर्माणाधीन मकान में मजदूरी का काम कर रहे थे। मंगलवार सुबह वह काम करने के दौरान हाईटेंशन तार की चपेट में आ गए। कन्हई के परिवारों से संपर्क करने की कोशिश की जा रही थी।

# मुकदमा वापस लेने की धमकी, मारी गोली

प्रयागराज। शाहगंज थानांतर्गत दायरा शाह अजमल निवासी इमरान खान पर मुकदमा वापस लेने की धमकी देते हुए दो

नकाबपोश युवकों ने फायर कर दिया। हाथापाई के दौरान पैर में गोली लगने से इमरान खान घायल हो गए। घटना 18 अक्तूबर की रात की बताई गई है। आरोप है कि बदमाशों ने अकीब के खिलाफ दर्ज मुकदमा वापस लेने की धमकी की। पुलिस घायल की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई में जुटी है।

# 20 लीटर कच्ची शराब संग एक गिरफ्तार

प्रयागराज। पूरामुफ्ती थाने की पुलिस ने देर रात एक युवक को 20 लीटर कच्ची शराब के साथ गिरफ्तार किया। एसआई अमित सिंह हमराहियों के साथ रात्रि गश्त कर रहे थे। इसी बीच मुखबिर से कच्ची शराब के साथ एक युवक के टिकुरी गांव मोड़ के समीप खड़े होने की सूचना मिली। पुलिस टीम ने तत्काल टिकुरी गांव मोड़ पर पहुंच गई। पुलिस टीम को देख आरोपी युवक ने भागने की कोशिश की। हालांकि पुलिस कर्मियों ने दौड़ाकर पकड़ लिया। उसके पास एक प्लास्टिक की बड़ी जार दिखी। जिसमें 20 लीटर कच्ची शराब बरामद हुई। पुलिस ने आरोपी शेरू पासी निवासी टिकुरी बमरौली के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर कोर्ट में पेशी के बाद जेल भेज दिया गया।

# प्रयागराज छिवकी के रास्ते चलायी जाएंगी चार जोड़ी ट्रेनें

समस्तीपुर। महाकुंभ 2025 के मद्देनजर उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज स्टेशन से गुजरने वाली चार जोड़ी ट्रेनों का मार्ग परिर्वतन किया गया है। यह जानकारी पूर्व मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क पदाधिकारी सरस्वती चन्द्र ने दी। उन्होंने बताया कि डीडीयू–वाराणसी–प्रयागराज–मानिकपुर के बजाए डीडीयू–मिर्जापुर–प्रयागराज छिवकी–मानिकपुर के रास्ते चलायी जाएगी। वहीं 11. जनवरी से 25 फरवी तक उधना से खुलने वाली गाड़ी सं. 20933 उधना–दानापुर एक्सप्रेस प्रयागराज छिवकी में 04.00ध्04.05 बजे रूकते हुए जाएगी। जबकि दिनांक 12. जनवरी से 26फरवरी तक दानापुर से खुलने वाली गाड़ी सं.20934 दानापुर–उधना एक्सप्रेस प्रयागराज छिवकी में 00.40ध्00.45 बजे रूकते हुए जाएगी। दिनांक 11 जनवरी से 22 फरवरी तक एरणाकुलम से खुलने वाली गाड़ी सं. 22669 एरणाकुलम–पटना एक्सप्रेस प्रयागराज छिवकी में 21.45ध्21.50 बजे रूकते हुए, दिनांक 14 जनवरी से 25 फरवरी तक पटना से खुलने वाली गाड़ी सं. 22670 पटना–एरणाकुलम एक्सप्रेस प्रयागराज छिवकी में 00.45ध्00.50 बजे रूकते हुए, दिनांक 12 जनवरी से 23 फरवरी तक अहमदाबाद से खुलने वाली गाड़ी सं. 19421 अहमदाबाद–पटना एक्सप्रेस प्रयागराज छिवकी में 20.00ध्20.05 बजे रूकते हुए पटना से खुलने वाली गाड़ी सं. 19422 पटना–अहमदाबाद एक्सप्रेस प्रयागराज छिवकी में ठहरवा दिया गया है।

# खेल में प्रतिद्वंद्विता नही प्रतिस्पर्धा होनी चाहिए : राजेश यादव

## मंगलवार को उरुवा ब्लॉक के चार न्याय पंचायतों की संकुल स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता संपन्न।

प्रयागराज। मंगलवार को उरुवा ब्लॉक के बेसिक शिक्षा विभाग के परिषदीय विद्यालयों के चार संकुलों की न्याय पंचायत स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता ष संपन्न हुई। बेदौली न्याय पंचायत की खेलकूद प्रतियोगिता संविलियन विद्यालय सिरसा में, औता न्याय पंचायत की प्राथमिक विद्यालय चोरबना में, लेहड़ी न्याय पंचायत की पूर्व माध्यमिक विद्यालय अकोढा में संपन्न हुई। वहीं रामनगर न्याय पंचायत की खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ पी.एम.श्री प्राथमिक विद्यालय पट्टीनाथ राय में खंड शिक्षा अधि ाकारी उरुवा राजेश यादव ने माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलित करने के पश्चात फीता काटकर रामनगर न्याय पंचायत की खेलकूद प्रतियोगिता का विधि ावत शुभारंभ किया। बीईओ उरुवा राजेश यादव ने कहा कि आज पूरी दुनिया का ध्यान खेल की तरफ है। दुनिया का हर देश मेजबान बनना चाहता है। खेल में प्रतिस्पर्धा तो ठीक है,लेकिन प्रतिद्वंद्वीता नही होनी चाहिए और प्रतियोगिता में किसी भी प्रकार की कोई बेईमानी न हो पूरी निष्पश्चता से सही ढ़ंग से प्रतियोगिता को संपन्न कराई जाय। मेजबान विद्यालय की शिक्षिका ज्योति चौरसिया, वीना मिश्रा व सोनम कोटार्य द्वारा माँ सरस्वती की वंदना व स्वागत गीत प्रस्तुत की गई और बहुत ही अच्छी रंगोली बनाई गई। विद्यालय के प्रधानाध्यापक पुष्कर द्विवेदी ने प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि बीईओ उरुवा को बैच लगाकर व माल्यार्पण कर उनका स्वागत किया। प्रतियोगिता में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित मेजबान ग्रामसभा पट्टीनाथ राय के ग्राम प्रधान के पिताजी मोहिनाथ मिश्रा ने उपस्थित सभी बच्चों का हौसला अफजाई किया। कार्यक्रम का संचालन प्राथमिक शिक्षक संघ उरुवा के अध्यक्ष विनोद शुक्ला ने किया। चारों न्याय पंचायतों में खेलकूद प्रतियोगिता में कबड्डी, खो–खो, दौड़, ऊँची कूद, लंबी कूद, गोला फेंक, चक्का फेंक, कुश्ती, सुलेख व आलेख आदि प्रतियोगिता खेल प्रभारी मुकेश शुक्ला, अर्जुन सिंह, चंद्रशेखर भारतीया, ध्यान सिंह, सूर्य प्रकाश सिंह, मधुबाला पटेल, उदय सिंह, शबनम खा, जितेंद्र कुमार व प्रीति कुमारी की देखरेख में संपन्न हुई। प्राथमिक स्तर की कबड्डी प्रतियोगिता के बालक वर्ग में प्राथमिक विद्यालय केवटहिया विजेता व प्राथमिक विद्यालय पट्टीनाथ राय उपविजेता तथा बालिका वर्ग में पट्टीनाथ राय विजेता व उचडीह उपविजेता हुई। वही जूनियर वर्ग की कबड्डी प्रतियोगिता के बालक वर्ग में संविलियन विद्यालय निबैया विजेता तथा संविलियन विद्यालय सोनबरसा उपविजेता हुई। बालिका वर्ग की कबड्डी प्रतियोगिता में बकचुंदा विजेता व सोनबरसा उपविजेता हुई। इसी प्रकार बेदौली न्याय पंचायत की खेलकूद प्रतियोगिता में ओवरऑल विजेता संविलियन विद्यालय लोहारी तथा उपविजेता संविलियन विद्यालय सिरसा की टीम के बच्चें रहे। उक्त अवसर पर ग्राम प्रधान पट्टीनाथ राय संदीप मिश्रा, मुकेश शुक्ला, ब्लॉक व्यायाम शिक्षक मानिक चंद्र सिंह, सुभाष यादव, सुनील विश्वकर्मा, बृजेश यादव, स्तुति श्रीवास्तव, जावेद अहमद, जितेंद्र नाथ दुबे, विपिन कुमार, सोनम वर्मा, राकेश कुमार, कृष्ण कुमार आदि गणमान्य व्यक्ति व बड़ी संख्या में शिक्षक व बच्चें उपस्थित रहें।।

## पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री का योजनाओं के शीघ्र क्रियान्वयन पर जोर

### योजनाओं हेतु आवंटित धनराशि खर्च न करने पर अधिकारियों को लगायी फटकार

लखनऊ, एजेंसी। प्रदेश के पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार नरेंद्र कश्यप ने मंगलवार को विधानसभा सचिवालय स्थित कार्यालय कक्ष में विभागीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में उन्होंने विभागीय योजनाओं के कार्यान्वयन में तेजी लाने, लंबित मामलों के निस्तारण और योजनाओं के प्रचार–प्रसार को जमीनी स्तर तक पहुंचाने के सख्त निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी स्तर पर देरी अस्वीकार्य होगी और अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि हर योजना का लाभ पात्र लोगों तक समय पर पहुंचे। उन्होंने योजनाओं की धनराशि खर्च न करने पर अधिकारियों को कड़ी फटकार लगायी और निर्देश दिया कि योजनाओं के लिए आवंटित धनराशि समय से सदुपयोग करते हुए लाभार्थियों को योजनाओं से लाभान्वित किया जाये।मंत्री कश्यप ने पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग और दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के अंतर्गत चल रही योजनाओं की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने कम्प्यूटर प्रशिक्षण ट्रिपल सी,ओ लेवल के प्रशिक्षार्थियों की शुल्क प्रतिपूर्ति पर जानकारी लेते हुए निर्देश दिया कि लाभार्थियों को उनके व्यक्तिगत बैंक खातों में धनराशि शीघ्र हस्तांतरित की जाए। वित्तीय वर्ष 2024–25 में शादी अनुदान योजना के तहत प्राप्त आवेदनों की स्थिति की समीक्षा करते हुए मंत्री ने समयबद्ध तरीके से सभी आवेदकों को भुगतान सुनिश्चित करने का आदेश दिया। छात्रवृत्ति और शुल्क प्रतिपूर्ति योजनाओं की जनपदवार स्थिति पर भी विशेष ध्यान दिया, यह सुनिश्चित करते हुए कि आवेदन और भुगतान की प्रक्रिया में कोई रुकावट न हो। विभाग में रिक्त पदों को जल्द से जल्द भरा जाए ताकि योजनाओं के सुचारू कार्यान्वयन में कोई बाधा न आए। छात्रवृत्ति और शुल्क प्रतिपूर्ति के लिए प्रेषित ध ानराशि की जानकारी जनपद और मण्डलीय अधिकारियों को भी समय पर दी जाए, ताकि किसी भी स्तर पर देरी न हो।

## 'बिहार हिंदी साहित्य सम्मेलन के 106 वा स्थापना दिवस समारोह एवं 43 वें महाधिवेशन में असम के युवा साहित्यकार संतोष कुमार महतो और मनीषा पाल को नामित अलंकरणों से सम्मानित'

**'हिंदी सेवी संतोष कुमार महतो को पंद्द रामचंद्र भारद्वाज स्मृति सम्मान और कवयित्री मनीषा पाल को षकिशोरी चतुर्वेदी स्मृति सम्मान से अलंकृत'**

पटना असम ,स– हिंदी की दो महान विभूतियों महाप्राण सूर्यकांत त्रिपाठी शनिरालाश एवं रामवृक्ष बेनीपुरी की पुण्य –स्मृति के समर्पित में आयोजित बिहार हिंदी साहित्य सम्मेलन के 106 ठा स्थापना दिवस समारोह एवं 43 वें महाधिवेशन के सम्मान सह सम्मान समारोह में असम राज्य के विश्वनाथ जिले युवा साहित्यकार, हिंदी सेवी संतोष कुमार महतो और मनीषा पाल को नामित अलंकरणों से विभूषित किया गया। सर्वप्रथम रविवार के चतुर्थ वैचारिक सत्र षविश्व बंधुत्व की अवधारणा और भारत ष विषय पर आयोजित सत्र की अध्यक्षता मुजफ्फरपुर वरिष्ठ साहित्यकार डॉ० महेन्द्र मधुकर ने की तथा अनुपमा सिंह के कुशल संचालन के बाद बिहार हिंदी साहित्य सम्मेलन के अध यक्ष डॉ ० अनिल सुलभ ने सुदूर असम प्रदेश से आए युवा साहित्यकार,हिंदी सेवी तथा प्रचारक क्रमशः संतोष कुमार महतो को शोल से सम्मानित करने के बाद षं० रामचंद्र भारद्वाज स्मृति सम्मानष और मनीषा पाल को भी शोल द्वारा सम्मानित करने के बाद षकिशोरी चतुर्वेदी स्मृति सम्मानष से अलंकृ त किया गया। इस मौके पर हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग के अध्यक्ष व वरिष्ठ साहित्यकार प्रो० सूर्य प्रसाद दीक्षित, मुजफ्फरपुर के वरिष्ठ साहित्यकार डॉ महेंद्र मधुकर, चंडीगढ़ के वरिष्ठ साहित्यकार डॉ० जसबीर चावला, विश्व हिंदी परिषद् के महासचिव डॉ० विपिन कुमार, बिहार हिंदी साहित्य सम्मेलन के प्रबंध मंत्री कृष्ण रंजन सिंह , सत्र संयोजक डॉ० रेखा भारती तथा असंख्य नामित साहित्यकार व गणमान्य महानुभाव मौजूद थे। इस सम्मान के मिलने के बाद विश्वनाथ जिले साहित्यकार तथा शुभाकांक्षी ने बधाई तथा शुभेच्छा ज्ञापित की। सम्मान से जिले में हिंदी प्रेमी में खुशी की लहर व्याप्त है।

## सई नदी के नालो व घाटो की स्वच्छता तथा प्रबन्धन हेतु ग्राम पंचायतों व मनरेगा के प्रभावी भूमिका की हुई मांग

### मंगरौरा के युगेश तिवारी व बिहार के पत्रकार राहुल द्वारा पशु शेड के सम्बन्ध मे की गई शिकायत के समाधान हेतु बीडीओ को दिया निर्देश

प्रतापगढ़ । लोकपाल मनरेगा द्वारा जन सुनवाई व संवाद कार्यक्रम जारी रहा। सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों से शिकायतकर्ता मनरेगा योजना से जुड़ी अपनी समस्या लेकर आये। विवेकानंद राज्य युवा पुरस्कार प्राप्तकर्ता सुंदरम तिवारी ने लोकपाल के समक्ष उपस्थित होकर सई नदी के घाटो एवं नालो की स्वच्छता व प्रबन्धन में स्थानीय ग्राम पंचायतो व मनरेगा योजना की प्रभावी भूमिका निभाने का अनुरोध ा किया। जिस पर लोकपाल समाज शेखर ने प्रभावी सहयोग का वायदा करते हुए जन सहयोग और लोक भागीदारी का आह्वाहन किया। लोकपाल समाज शेखर के समक्ष जन सुनवाई कार्यक्रम में सुंदरम तिवारी के साथ राष्ट्रीय पर्यावरण सुरक्षा संघ के अध्यक्ष श्लोक मिश्र व हिंदू युवा महासभा के अवनीश पांडेय ने प्रतिभाग करके




मांग की जनपद में सई नदी के किनारे प्राचीन घाट व नाले है। जो प्रबन्धन के अभाव में अस्वछ दशा में है। नाले और घाट स्वच्छ हो यह समय की बड़ी आवश्यकता है। जिस पर तय हुआ की जिलाधिकारी व मुख्य विकास अधिकारी के संज्ञान में लाकर घुश्मेश्वर नाथ धाम से बाराही धाम तक सम्बन्धि ात ग्राम पंचायतों व विकास खंड की प्रभावी भूमिका विकास खंड के माध्यम तय की जायेगी। सर्व प्रथम बाराही धाम पर जल्द विकास व राजस्व विभाग तथा स्थानीय समाज की संयुक्त बैठक करके प्रभावी पहल शुरू होगी। लोकपाल समाज शेखर ने कहा की सरकार प्राकृतिक संसाधनों को संरक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है स्थानीय समाज को भी जन सहयोग व लोक भागीदारी से अपनी भूमिका निभानी होगी तभी सतत स्थाई विकास संभव है। विकास खंड मंगरौरा के ग्राम पंचायत भौसिया के युगेश तिवारी व बिहार के बिकरा ग्राम पंचायत के पत्रकार राहुल द्वारा पशु शेड के सम्बन्ध मे की गई शिकायत के समाधान हेतु सम्बन्धित ब्लाक के अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी व बीडीओ को निर्देश दिया। वहीं मान्यता प्राप्त वरिष्ठ पत्रकार अजय पांडेय ने लोकपाल समाज शेखर से मुलाकात करके जनपद में मनरेगा योजना में गुणात्मक सुधार हेतु आवश्यक सुझाव दिया।

## संक्षिप्त

### अमित शाह के 60वें जन्मदिन पर सीएम योगी ने एक्स पर पोस्ट कर दी बधाई

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को जन्मदिन की बधाई दी और उन्हें ''अनुशासन और परिश्रम का जीता जागता प्रतीक बताया। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष शाह मंगलवार को 60 वर्ष के हो गए। मुख्यमंत्री ने उनसे फोन पर बात करके उन्हें बधाई दी। मिली जानकारी के मुताबिक, मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा कि अनुशासन और कर्मठता के जीवंत प्रतीक, करोड़ों कार्यकर्ताओं के प्रेरणास्रोत, सहकार से समृद्धि के भाव को निरंतर चरितार्थ कर रहे लोकप्रिय जननेता, केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह जी को जन्मदिन की हार्दिक बधाई! उन्होंने कहा, समृद्ध, सुरक्षित और सशक्त राष्ट्र के निर्माण हेतु आपकी प्रतिबद्धता ने मां भारती को निरंतर गौरवभूषित किया है। प्रभु श्री राम से आपके उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु जीवन की प्रार्थना है। आपको बता दें कि अमित शाह का जन्म 22 अक्टूबर 1964 को मुंबई में रह रहे एक गुजराती परिवार में, कुसुम बेन और अनिलचंद्र शाह के घर हुआ। अमित शाह के दादा गायकवाड़ के बड़ौदा स्टेट की एक छोटी रियासत मानसा के नगर सेठ थे। शाह करीब 4 दशक से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भरोसेमंद सहयोगी रहे हैं। वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश के लिए भाजपा के प्रभारी के रूप में शाह के नेतृत्व में पार्टी ने 80 संसदीय सीट में से 71 पर जीत हासिल की थी जबकि 2009 में पार्टी ने प्रदेश में सिर्फ 10 सीट ही जीती थीं।

### करंट लगने से युवती की मौत,समर सेबिल पम्प चालू करते समय हुआ हादसा

लखनऊ, एजेंसी। निगोहां इलाके में करंट लगने से एक युवती की मौत हो गई। हादसा समर सेबल पम्प चालू करते समय हुआ। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा है। इधर, घटना के बाद परिवार में मातम छा गया है। परिवार से मिलने लोगों की आवाजाही बनी हुई है। जानकारी के अनुसार, निगोहां तहसील के मीरखनगर गांव के किसान दिनेश उर्फ नन्हऊ की बेटी सलोनी(19) सुबह घर पर अपने भाई शिवा के साथ थी। दिनेश और उनकी पत्नी पूनम, बड़ी बेटी शालू के साथ खेतों में पशुओं के लिए चारा लेने गए हुए थे। इस बीच, सलोनी ने पानी भरने के लिए घर में लगे समर सेबल पम्प की मोटर चालू करने की कोशिश की। जैसे ही उसने बिजली बोर्ड में तार जोड़ने की कोशिश की, करंट लग गया और वह बेहोश हो गई। घटना के समय घर पर मौजूद छोटे भाई शिवा ने बहन को मरणासन्न हालत में देखा तो तुरंत पड़ोसियों को सूचना दी। पड़ोसी मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक सलोनी की मौत हो चुकी थी। घटना की सूचना परिवार के लोग घर पहुंचे। मौके पर पहुंची निगोहा थाने की पुलिस ने पंचनामा भर कर बॉडी को पोस्टमॉर्टम के लिए मेडिकल कॉलेज भेज दिया है। सलोनी एक स्थानीय स्कूल में 12वीं कक्षा की छात्र थी। पढ़ाई में होशियार बेटी की अचानक मौत से घर वालों का रो रोकर बुरा हाल है। घटना की जानकारी मिलने के बाद पड़ोसियों व रिश्तेदारों को आना–जाना लगा हुआ है। हर कोई मेधावी छात्रा की अचानक हुई मौत से गमगीन है।

### कमीशन कम करने और राइड का रेट बढ़ाने की मांग, कैब चालकों ने किया प्रदर्शन

लखनऊ, एजेंसी। राजधानी लखनऊ में कैब चालकों ने अपनी मांगों को लेकर मंगलवार को विरोध प्रदर्शन किया। हजरतगंज स्थित गांधी प्रतिमा पर ओला, उबर, रैपीडो और इन–ड्राइवर के चालकों ने सांकेतिक प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में शामिल चालकों ने बताया कि अगर उनकी मांग पूरी नहीं हुई तो 25 अक्टूबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल करेंगे। कैब चालक जाहिद ने बताया कि हम सभी ड्राइवरों की मांग है कि कंपनी राइड का रेट बढ़ाए। कंपनी राइड पर अधिक पैसा लेती है मगर चालकों को कम पैसे देती है। कई बार मांग करने के बाद भी कंपनी ने हमारी बातों पर अमल नहीं किया। कैब कंपनियां लगातार चालकों का शोषण कर रही हैं। स्थिति यह हो गई है कि चालक दो वक्त का भोजन भी परिवार को ठीक से उपलब्ध नहीं करवा पा रहे हैं। हम लोगों को गुमराह करके 10 लाख की चार पहिया वाहन दिलवा दिया गया। कैब कंपनी ने जो वादे किए थे वह पूरा नहीं किए। अधिकतर चालकों ने किश्त पर गाड़ियां ली हैं, किश्त चुका पाना भी मुश्किल हो गया है। कंपनी अक्सर मनमानी करते हुए जब चाहती है चालक को ऑफ रोड कर देती है। कैब चालकों ने कहा कि हमारी मांग है कि ड्राइवर को राइड का सही दिया जाए। हमसे 30 से 35: कमीशन लिया जा रहा है, जिसको कम करके 15: किया जाए। प्रति किलोमीटर के हिसाब से रेट निर्धारित किया जाए। चालकों को बीमा की सुविधा प्रदान की जाए।

## सीएमपी महाविद्यालय मेंव्याख्यान एवं अभिनंदन समारोह आयोजित

प्रयागराज । संस्कृत परिषद् के तत्त्वावधान में रामायण का वैश्विक स्वरूप विषय पर व्याख्यान एवं अभिनन्दन समारोह कार्यक्रम का आयोजन सी एम पी महाविद्यालय में हुआ। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्ट्रपति पुरस्कार से पुरस्कृत प्रो हरिदत्त शर्मा एवं सारस्वत अतिथि इलाहाबाद विश्वविद्यालय संस्कृ त विभाग के अध्यक्ष प्रो प्रयाग नारायण मिश्र थे।अध्यक्षता महाविद्यालय की उपप्राचार्य प्रो. नीता सिन्हा ने की। अतिथियों का वाचिक स्वागत आयोजन सचिव डॉ आरुणेय मिश्र, प्रभारी संस्कृत विभाग ईसीसी ने किया।

अभिनन्दन समारोह कार्यक्रम के अंतर्गत प्रो सुरेन्द्र पाल सिंह, प्रो राजेन्द्र त्रिपाठी, प्रो कौमुदी श्रीवास्तव, प्रो मीरा सिंह, प्रो ज्योति कपूर एवं प्रो अर्चना सिंह का उनके संस्कृत के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने हेतु अभिनंदन किया गया। मुख्यातिथि प्रो. हरिदत्त शर्मा ने सत्रह देशों के अपने प्रवास तथा उन सभी देशों में रामायण के स्पष्ट प्रमाण को बड़े विस्तार से बताया। प्रो. प्रयाग नारायण मिश्र ने रामायण की सार्वकालिक प्रासंगिकता एवं जीवन्तता को प्रमुखता से स्थापित किया। कार्यक्रम का संचालन आयोजन संयोजक डॉ सत्यप्रकाश श्रीवास्तव संस्कृत विभाग सी एम.पी महाविद्यालय, एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ दीप्ति विष्णु ने किया। इस कार्यक्रम में डॉ प्रियंका सिंह, डॉ आकांक्षा सिंह, डॉ सौम्या कृष्ण, डॉ निशा खन्ना, डॉ एकात्म देव , डॉ प्रमा द्विवेदी, डॉ पूजा जायसवाल,डॉ सोनमती, डॉ आरती सरोज, डॉ मनोज शर्मा, डॉ विजय बहादुर , डॉ किरन वर्मा , डॉ भानु प्रकाश त्रिपाठी, प्रो.सरोज सिंह, प्रो, आभा त्रिपाठी , डॉ अरुण वर्मा , डॉ पुनीत सिंह, डॉ रंजीत सिंह, डॉ गीतांजलि पांडेय , डॉ शारदा पाठक, डॉ प्रचेतस, डॉ प्रतिभा आर्या, डॉ अंशु सिंह के साथ ही 200 से अधिक शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित थे ।

**उत्तर मध्य रेलवे**

मण्डल रेल प्रबन्धक (वाणिज्य) कार्यालय, प्रयागराज

संः सीएम-1/एटीवीएम/फैसीलिटेटर/महाकुम्भ मेला/पार्ट-2/प्रयागराज/2025 दिनांकः 17.10.2024

यह आवेदन नौकरी हेतु नहीं है।

वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबन्धक, उ0म0रे0, प्रयागराज भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रयागराज (संगम एरिया सहित), सूबेदारगंज, नैनी एवं प्रयागराज छिवकी स्टेशनों (विस्तृत सूची अनुलग्नक-बी पर संलग्न है) पर **महाकुम्भ मेला 2025 (दिनांक 11.01.2025 से 28.02.2025 तक)** के दौरान एटीवीएम (आटोमेटिक टिकट वेण्डिंग मशीन) के लिए फैसिलिटेटर के रूप में लगाये जाने हेतु इच्छुक सामान्य नागरिकों एवं सेवानिवृत्त रेलवे कर्मचारियों से बन्द लिफाफे में आवेदन आमंत्रित करते हैं:-

स्टेशन का नामः प्रयागराज (संगम एरिया सहित), सूबेदारगंज, नैनी एवं प्रयागराज-छिवकी

कार्य की अवधिः 11.01.2025 से 28.02.2025 | बयाना राशिः शून्य | आवेदन का मूल्यः ₹ 100/-

(1) सभी सम्बन्धित नियमों एवं शर्तों के साथ आवेदन (अधिसूचना की तिथि से प्रारम्भ होकर) **दिनांक 20.11.2024 को 11.00 बजे** तक उपलब्ध हैं। आवेदन फार्म किसी भी कार्य दिवस (सोमवार से शुक्रवार तक) **समय 09.00 बजे से 17.00 बजे** तक मिर्जापुर, प्रयागराज, प्रयागराज-छिवकी, फतेहपुर, कानपुर, इटावा, टूण्डला, अलीगढ़ के बुकिंग कार्यालय से प्राप्त किए जा सकते हैं। आवेदन फार्म का मूल्य रु0 100/- रुपये (अप्रतिदेय) है, जिसे बुकिंग कार्यालय में जमा करना होगा और मूल एम0आर0 को आवेदन फार्म के साथ नत्थी करना होगा। (2) आवेदन फार्म उत्तर मध्य रेलवे के वेबसाइट **www.ncr.indianrailways.gov.in** से भी डाउनलोड किए जा सकते हैं। आवेदन फार्म का मूल्य रु0 100/- है। आवेदक को आवेदन के साथ किसी अनुसूचित वाणिज्य बैंक द्वारा वरिष्ठ मण्डल वित्त प्रबन्धक, उ0म0रे0, प्रयागराज, के पक्ष में जारी रु0 100/- का बैंक ड्राफ्ट/डी0डी0 डाउनलोड आवेदन फार्म के मूल्य के रूप में संलग्न करना होगा। (3) विधिवत पूर्णतः भरे हुए तथा सभी औपचारिकताओं के साथ पूर्ण आवेदन फार्म बन्द लिफाफे में **सहायक वाणिज्य प्रबन्धक**, वाणिज्य शाखा, द्वितीय तल, मण्डल रेल प्रबन्धक कार्यालय, उत्तर मध्य रेलवे, नवाब यूसुफ रोड, प्रयागराज के कार्यालय में **दिनांक 20.11.2024 को 13.00 बजे** तक प्राप्त किए जायेंगे और उन्हें उसी दिन **15.00 बजे** खोला जाएगा। यदि किसी कारण से उक्त तिथि को अवकाश घोषित कर दिया जाता है, तो अगले कार्य दिवस में उसी स्थान और समय पर आवेदन खोले जायेंगे। (4) विलम्ब से प्राप्त आवेदन न तो स्वीकार किए जायेंगे और न उन पर विचार किया जायेगा तथा अधूरे/गलत भरे हुये फार्म अस्वीकार/निरस्त कर दिये जायेंगे। (5) रेल प्रशासन किसी भी आवेदन को किन्हीं भी परिस्थितियों में स्वीकार/अस्वीकार/निरस्त करने का अधिकार अपने पास सुरक्षित रखता है।

महाकुम्भ 2025 रेलवे टोल फ्री नं. (1 नवम्बर 2024 से प्रभावी) 1800 4199 139 1827/24 (A)

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

## अदालती नोटिस

हेतु संदर्शित करने की सूचना (साधारण प्रारूप )
**न्यायालय अपर सिविल जज (वरिष्ठ श्रेणी) कक्ष संख्या 17 इलाहाबाद**

**वाद संख्या 296** | **सन 2014**

**एन. ए. राबर्ट** मृतक वादहू विधिक वारिसान ...**वादीगण**

**बनाम**

**रमेश कुमार** आदि

1. **रामेश्वर** पुत्र बुद्धू प्रजापति निवासी - अरैल नैनी जिला प्रयागराज स्थाई पता मकान नंबर 209/109 मीरापुर जिला एवं शहर प्रयागराज ...**प्रतिवादीगण**

चूँकि ऊपर नमोकित ने इस न्यायालय से यह आवेदन किया है कि अतएव आपको एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप उस आवेदन के खिलाफ हेतु सदर्शित करने के लिए 2024 के 11 के 05 दिवस को 2 बजे पूर्वाह्न में स्वयं या सम्यक रूपेण अनदिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हों और ऐसा करने में असफल होने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा और अवधारित किया जायेगा ।
मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय के मुहर सहित आज के दिवस को निकाला गया है।

**ता.पेशी 05/11/2024** **न्यायाधीश**

## अदालती नोटिस

हेतु संदर्शित करने की सूचना (साधारण प्रारूप )
**न्यायालय अपर सिविल जज (कनिष्ठ श्रेणी) कक्ष संख्या 8 इलाहाबाद**

**वाद संख्या 1149** | **सन 2023**

श्रीमती **सोगरा बेगम** आदि ...**वादीगण**

**बनाम**

1. **मो. सलीम** पुत्र मो. नजीर निवासी मकान नंबर 22/50 नवाब युसुफ रोड सिविल लाइंस जनपद प्रयागराज , 2. **मो. अफसर**, 3. **मोहम्मद अख्तर** पुत्रगण अली अहमद , 4. **श्रीमती आयशा बेगम** पत्नी अली मोहम्मद, समस्त निवासीगण मकान नंबर 22/50 नवाब यूसुफ रोड सिविल लाइंस जनपद प्रयागराज ...**प्रतिवादीगण**

चूँकि ऊपर नमोकित ने इस न्यायालय से यह आवेदन किया है कि अतएव आपको एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप उस आवेदन के खिलाफ हेतु सदर्शित करने के लिए 2024 के 12 के 04 दिवस को 2 बजे पूर्वाह्न में स्वयं या सम्यक रूपेण अनदिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हों और ऐसा करने में असफल होने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा और अवधारित किया जायेगा ।
मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय के मुहर सहित आज के दिवस को निकाला गया है।

**ता.पेशी 04/12/2024** **न्यायाधीश**

## नाम परिवर्तन सूचना

मेरी पुत्री के जन्म प्रमाण पत्र मे उसका नाम **अंशिका श्रीवास्तव (ANSHIKA SRIVASTAVA) गलत अंकित है** जबकि उसका **सही नाम नियती श्रीवास्तव (NIYATI SRIVASTAVA) है** । भविष्य मे सही नाम से जाना व पहचाना जाये ।

**अभ्रेश कुमार श्रीवास्तव** पुत्र स्व. जगदीश श्रीवास्तव ग्राम रामापुर पोस्ट सराय इनायत तहसील फूलपुर प्रयागराज ।

## सम्पादकीय.....

# कच्ची उम्र का विवाह

यह किसी समाज के लिये बेहद नकारात्मक टिप्पणी है कि सदियों के प्रयास के बावजूद वहां बाल विवाह की कुप्रथा विद्यमान है। यहां यह विचारणीय तथ्य है कि समाज में ऐसी प्रतिगामी सोच क्यों पनपती है कि लोग परंपराओं को कानून से ऊपर समझने लगते हैं। हमें यह भी सोचना होगा कि कानून की कसौटी पर अस्वीकार्य होने के बावजूद बाल विवाह की परंपरा क्यों जारी है? यह हम सभी जानते हैं कि कम आयु के बच्चे अपने भविष्य के जीवन के बारे में परिपक्व फैसला लेने में सक्षम नहीं होते। साथ ही वे इस स्थिति में भी नहीं होते कि उनके जीवन पर थोपे जा रहे फैसले का मुखर विरोध कर सकें। उनके सामने आर्थिक स्वावलंबन का भी प्रश्न होता है। लेकिन अभिभावक क्यों इस मामले में दूरदृष्टि नहीं रखते? सही मायने में बाल विवाह बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ ही है। भले ही मजबूरी में वे इस थोपे हुए विवाह के लिये राजी हो जाएं, लेकिन उसकी कसक जीवन पर्यंत बनी रहती है। जो उनके स्वाभाविक विकास में एक बड़ी बाधा बन जाता है। इसको लेकर समाज में जागरूकता के प्रसार की जरूरत है ताकि बच्चे भी ऐसे किसी प्रयास का विरोध कर सकें। जिसमें बाल विवाह पर नियंत्रण करने वाले विभागों की जिम्मेदारी व सजगता बढ़ाने की भी जरूरत है। जिससे बाल विवाह का विरोध करने वाले किशोरों को भी संबल मिल सके। यही वजह है कि इस संबंध में दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट को कड़ा रुख दिखाते हुए कहना पड़ा कि कानून परंपराओं से ऊपर है। कोर्ट का कथन तार्किक है कि जिन बच्चों की कम उम्र में शादी करा दी जाती है क्या वे इस मामले में तार्किक व परिपक्व सोच रखते हैं? एक संबंधित याचिका पर सुनवायी करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह समय की मांग है कि इस कानून को लागू करने के मार्ग में आने वाली बाधाओं को दूर किया जाए। इस बाबत उन समुदायों व धर्मों के लोगों को बताया जाना चाहिए कि बाल विवाह कराया जाना एक आत्मघाती कदम है। यह समझना कठिन नहीं है कि कम उम्र में विवाह कालांतर जच्चा–बच्चा के स्वास्थ्य के लिये भी घातक साबित होता है। उनकी पढ़ाई ठीक से नहीं हो पाती और वे अपनी आकांक्षाओं का कैरियर भी नहीं बना सकते। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट का कथन इस सामाजिक बुराई के उन्मूलन में मार्गदर्शक की भूमिका निभाता है। कोर्ट को कहना पड़ा कि बाल विवाह रोकथाम अधिनियम को व्यक्तिगत कानूनों के जरिये बाधित नहीं किया जा सकता। यद्यपि कोर्ट ने यह भी स्वीकार किया कि यह कानून संपूर्ण नहीं है और इससे जुड़ी कुछ कमियों को दूर करने की जरूरत है। जिसके निराकरण के लिये समन्वय का ध्यान रखने की जरूरत है। अदालत ने एक महत्वपूर्ण बात भी कही कि बच्चों पर बाल विवाह थोपना उनके अपनी पसंद का जीवनसाथी चुनने की स्वतंत्र इच्छा का भी दमन है। निश्चय ही इस बाबत बदलाव लाने के लिये कानून में जरूरी बदलाव लाने के साथ ही समाज में जागरूकता लाने की भी जरूरत है।

# जंगल बचाने का अहम सवाल

**डॉ. दीपक पाचपोर**

*सरकारी ड्यूटी पर तैनात जिन लोगों को शारीरिक चोट पहुंची है, उनका इलाज और मुआवजा दोनों सरकार के जिम्मे पूरा हो जाएगा, लेकिन प्रदर्शनकारियों का भविष्य क्या होगा, ये कोई नहीं जानता।*

हरियाणा–जम्मू–कश्मीर में नयी सरकारों के गठन और महाराष्ट्र–झारखंड में जोर पकड़ रही चुनावी तैयारियों के बीच छत्तीसगढ़ से आई एक जरूरी खबर पर चर्चा की दरकार है। खबर ये है कि सरगुजा जिले के फतेहपुर और साली गांवों के पास करीब 5,000 पेड़ों की कटाई के मामले को लेकर स्थानीय निवासियों और पुलिस प्रशासन के बीच झड़प हो गई, जिसमें दोनों ही पक्षों को चोटें आई हैं। सरकारी ड्यूटी पर तैनात जिन लोगों को शारीरिक चोट पहुंची है, उनका इलाज और मुआवजा दोनों सरकार के जिम्मे पूरा हो जाएगा, लेकिन प्रदर्शनकारियों का भविष्य क्या होगा, ये कोई नहीं जानता। दरअसल ये सारा प्रदर्शन और सरकार के खिलाफ सीधा मोर्चा खोलने का फैसला भविष्य के सवाल से ही जुड़ा है। इंसानों के साथ–साथ जल, जंगल, जमीन और समूची प्रकृति के भविष्य का यह सवाल है। गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ के हसदेव अरण्य में पेड़ों को बचाने की लड़ाई लंबे वक्त से चल रही है। 1,500 किलोमीटर क्षेत्र में फैला यह घना जंगल छत्तीसगढ़ के आदिवासी समुदायों का निवास स्थान है। इस घने जंगल के नीचे लगभग पांच अरब टन कोयला दबा है। इस वजह से पूंजीपतियों और पूंजीवादी सरकारों की गिद्ध दृष्टि यहां टिकी हुई है। इस इलाके में खनन बहुत बड़ा व्यवसाय बन गया है, लेकिन स्थानीय लोग इस खनन का लगातार विरोध कर रहे हैं। क्योंकि इसके लिए बड़ी बेदर्दी से जंगल को काटा जा रहा है और यहां की जैव विविधता के लिए बड़ा खतरा बन चुका है। इस समय यहां पर पेड़ों की कटाई राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड (आरआरवीयूएनएल) को दिए गए परसा कोल ब्लॉक खनन परियोजना के तहत की जा रही है। बीते गुरुवार को भी पेड़ों की कटाई होनी थी, लेकिन बुधवार से ही लोग यहां जमा हो गए। ताकि अधिकारियों को कार्रवाई करने से रोका जा सके। सरकार की तरफ से भी पर करीब 400 पुलिस और वन विभाग के कर्मियों को तैनात किया गया था। पुलिस का कहना है कि स्थानीय लोग लकड़ी के डंडे, तीर और कुल्हाड़ी से लैस थे। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि पुलिस के लाठी चार्ज के बाद उन्होंने जवाबी हमला किया। जबकि इन आरोपों से इंकार करते हुए सरगुजा के पुलिस अधीक्षक योगेश पटेल का कहना है श्ग्रामीण हिंसक हो गए और उन्होंने हम पर हमला कर दिया। उन्हें रोकने और तितर–बितर करने के लिए हमने उचित जवाब दिया। छत्तीसगढ़ में भाजपा के सत्ता में आते ही पिछले साल दिसंबर में हसदेव अरण्य क्षेत्र में परसा पूर्व और केते बासन (पीईकेबी) के दूसरे चरण विस्तार के तहत कोयला खदान के लिए पेड़ काटने की कवायद बड़े पैमाने पर हुई थी। तब भी यह काम पुलिस के सुरक्षा घेरे में किया गया था। इससे पहले वन विभाग ने मई 2022 में पीईकेबी चरण–2 कोयला खदान की शुरुआत करने के लिए पेड़ काटने की कवायद शुरू की थी, तब भी स्थानीय ग्रामीणों ने कड़ा विरोध किया था। बाद में इस कार्रवाई को रोक दिया गया था। अब स्थानीय प्रशासन ने दावा किया है कि उसके पास पीईकेबी–द्ढद्ढ में पेड़ काटने के लिए सभी आवश्यक अनुमतियां हैं, जो पीईकेबी–द्ढ खदान का विस्तार है। अब सवाल यह है कि पेड़ काटने की जिन आवश्यक अनुमतियों के दावे हो रहे हैं, उसके निहितार्थ क्या हैं। सत्ता और प्रशासन में बैठे लोगों और पूंजीपतियों, उद्योगपतियों के बीच सांठ–गांठ का खेल सदियों से चला आ रहा है। विकास के नाम पर प्रकृति का बेदर्दी से दोहन किया जाता है और आने वाली पीढ़ियां उसका भुगतान करती हैं।अभी पूरी दुनिया में जलवायु गर्म होने, ग्लेशियर के पिघलने, अकाल और बाढ़ जैसी स्थितियों के निर्मित होने पर चर्चाएं होती हैं, लेकिन इनका हल कुछ नहीं निकलता, क्योंकि अनाप–शनाप खर्चों पर हाथीदांत की जिन मीनारों पर चढ़कर ये विमर्श होते हैं, वहां से जमीनी सच्चाई नजर नहीं आती है। भारत भी इन चर्चाओं में अहम भागीदारी करता है और हमारे प्रधानमंत्री तो पर्यावरण बचाने के अचूक मंत्र वेद–पुराणों से निकालकर लाते हैं। लेकिन उनके अपने शासन के 11 सालों का हासिल ये है कि देश की राजधानी दिल्ली एक बार फिर वायु प्रदूषण, जल प्रदूषण और ध्वनि प्रदूषण के नए झंडे गाड़ रही है। इसलिए पेड़ काटने की सरकारी सहमति और असहमति के बीच जरूरी मुद्दा यह है कि हजारों सालों में जो जंगल तैयार हुआ है, उसे मिनटों में उजाड़कर इन नुकसान की भरपाई कैसे की जाएगी। गौरतलब है कि हसदेव अरण्य को 2010 में कोयला मंत्रालय एवं पर्यावरण एवं जल मंत्रालय के संयुक्त शोध ा के आधार पर पूरी तरह से श्नो गो एरियाश् घोषित किया था, अर्थात वहां प्रवेश निषिद्ध था, लेकिन इस फैसले को कुछ महीनों में ही रद्द कर दिया गया था और खनन के पहले चरण को मंजूरी दे दी गई थी। बाद में 2013 में खनन शुरू हो गया था। यह समझना कठिन नहीं है कि किन लोगों के दबाव में एक जरूरी फैसले को कुछ महीनों में रद्द कर दिया गया। एक रिपोर्ट के मुताबिक दावा है कि परसा खनन परियोजना के कारण 700 लोग विस्थापित होंगे और 840 हेक्टेयर घने जंगल नष्ट हो जाएंगे। वन विभाग की 2009 की जनगणना के अनुसार, लगभग 95,000 पेड़ इस परियोजना के कारण काटे जाएंगे। लोगों को तो फिर भी किसी तरह दूसरी जगह बसाया जा सकता है, लेकिन एक बार जो पेड़ कट जाएंगे, क्या उसमें पलने वाले जीव–जंतुओं को संरक्षित किया जा सकेगा, क्या इतनी जल्दी इतना विशाल जंगल खड़ा किया जा सकेगा, इन सवालों के जवाब भी पेड़ काटने की अनुमति का कागज दिखाने वालों को देना चाहिए। बहरहाल, गुरुवार को हुई झड़प की घटना पर लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने एक पोस्ट में कहा है कि , श्हसदेव अरण्य में पुलिस बल के हिंसक प्रयोग के जरिये आदिवासियों के जंगल और जमीन को जबरन हड़पने का प्रयास आदिवासियों के मौलिक अधिकारों का हनन है। छत्तीसगढ़ में कांग्रेस सरकार के दौरान हसदेव जंगल को न काटने का प्रस्ताव विधानसभा में सर्वसम्मति से पारित किया गया था– सर्वसम्मति का मतलब विपक्ष यानी भाजपा की संयुक्त सहमति है।

# हरियाणा की तरह महाराष्ट्र और झारखंड हाथ से न जाने दे विपक्ष!

**शकील अख्तर**

2024 लोकसभा चुनाव के बाद प्रधानमंत्री मोदी जो कमजोर होते नजर आए थे उसकी कुछ भरपाई उन्होंने हरियाणा जीत कर कर ली और अगर अब महाराष्ट्र, झारखंड में इंडिया गठबंधन उन्हें नहीं रोक पाया तो वे फिर वापस 2024 लोकसभा चुनाव के पहले की मजबूत स्थिति में पहुंच जाएंगे। यह दोनों विधानसभा चुनाव भाजपा के लिए मुश्किल हैं। मगर हरियाणा तो करीब–करीब असंभव था। लेकिन कांग्रेस हारी। समझने की बात यह है कि वहां भाजपा नहीं जीती बल्कि कांग्रेस ने खुद अपनी गलतियों से हार को चुना। और यह गलतियां कोई नई नहीं हैं वही पुरानी गुटबाजी, अतिआत्मविश्वास जिसने पिछले दिनों राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ हराया उसी की पुनरावृति है। अगर याद करो तो आप इनसे पहले पंजाब, उत्तराखंड भी इसी तरह हारे थे। गुजरात भी। 2017 में गुजरात में भाजपा को सौ के नीचे रोक दिया था। खुद 182 में से 77 सीटों पर जीती थी। और 2022 में कांग्रेस ने वहां बेमन से चुनाव लड़ा। राहुल केवल एक बार वहां गए। नतीजा बीजेपी ने रिकार्ड 156 सीटें जीतीं। और कांग्रेस 77 से सीधे 17 पर। यह बैक ग्राउन्ड बताना इसलिए जरूरी है कि कांग्रेस ने इन हारों से कुछ नहीं सीखा। वह लोकसभा में 99 सीटें लाकर और भाजपा को 240 पर रोककर बहुत इत्मिनान में है। बीजेपी कमजोर हुई। प्रधानमंत्री मोदी पर इसका असर पड़ा। लोकसभा में राहुल गांधी उनके सामने गरजे। यहां तक कि जो मोदी कभी दखलंदाजी नहीं करते वे भी नेता प्रतिपक्ष राहुल के चर्चित भाषण कि देश को कमजोर किया जा रहा है, नफरत और साम्प्रदायिकता फैलाई जा रही है के बीच में उठकर बोलने की कोशिश की। मगर राहुल ने उन्हें सटीक जवाब देते हुए कहा कि– नो नो नो! हिन्दू नहीं भाजपा और संघ हैं जो साम्प्रदायिकता फैला रहे हैं। प्रधानमंत्री जी गलत बात मत कीजिए। राहुल के उस भाषण ने राजनीति की दिशा बदल दी थी। उसके बाद राहुल ने कहा कि 56 इंच की छाती खत्म हो गई है अब वह मेरे किसी भाषण के दौरान मेरे सामने नहीं बैठेंगे। और निश्चित रूप से उसके बाद जिस तरह लेटरल एंट्री वापस लेनी पड़ी, वक्फ बिल जेपीसी को देना पड़ा, ब्राडकास्ट बिल वापस लिया, बजट में लाया कैपिटल गैन टैक्स वापस लिया उसने बताया कि मोदी जी अब कमजोर हो रहे हैं। लेकिन मोदी का कमजोर होना और कांग्रेस का ताकतवर होना दोनों अलग–अलग बातें हैं। मोदी को कमजोर हुए मगर कांग्रेस अपनी सेहत बनाने के मामले में लापरवाह ही रही। उसकी जीतते जीतते हारने की कमजोरी दूर नहीं हुई। कांग्रेस जम्मू–कश्मीर पर थोड़ा इतराती है। मगर भूल जाती है कि अभी तक की सबसे कम सीटें उसे इस बार मिली हैं। केवल छह। वह तो नेशनल कांफ्रेंस ने इज्जत बचाई नहीं तो वहां कांग्रेस कुछ भी नहीं कर पाई। जम्मू जो उसका पुराना कार्यक्षेत्र था वहां वह बुरी तरह साफ हो गई। केवल एक सीट मिली। पांच कश्मीर ने दीं। जम्मू में कांग्रेस 29 सीटों पर चुनाव लड़ी थी जिसमें से एक राजौरी सीट पर जीती और भाजपा ने यहां आज तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 29 सीटों पर जीत हासिल की। और एक मजेदार तथ्य यह कि नेशनल कान्फ्रेंस ने जम्मू संभाग से 6 सीटें जीतीं। मतलब 2024 लोकसभा के अच्छे प्रदर्शन के बाद कांग्रेस हरियाणा में सरकार बनाने में असफल रही और जम्मू–कश्मीर में सरकार बनाने में नेशनल कान्फ्रेंस की कोई खास मदद नहीं कर पाई। 55 विधायकों का समर्थन है। उमर अब्दुल्ला के पास। कांग्रेस के 6 के बिना भी 90 की विधानसभा में बहुमत। 49 विधायक। कांग्रेस को सोचना होगा। ईवीएम की गड़बड़ी है। बहुत सवाल हैं मगर सारा दोष उस पर डालकर खुद की गुटबाजी, सही फैसले नहीं लेने, केजुअल एप्रोच, चुनाव पूर्व तैयारी न करने जैसे कई मुद्दों पर भी कांग्रेस को सोचना होगा। वोटर लिस्ट में गड़बड़ियां होती हैं। बीजेपी विपक्ष के वोट कटवाती है, अपने वोट बढ़वाती है यह आरोप पिछले दस सालों से लग रहे हैं। लेकिन कांग्रेस चुनाव से पहले वोटर लिस्ट पर ध्यान नहीं देती। भाजपा के पन्ना प्रमुख पर व्यंग्य करती है, खिल्ली उड़ाती है मगर यह नहीं देखती कि वे कितना काम करते हैं और भाजपा के लिए उपयोगी साबित हुए। बूथ मैनेजमेंट आज के चुनाव की सबसे बड़ी जरूरत बन गए हैं। मगर कभी सुना नहीं कि कांग्रेस बूथ मैनेजमेंट, बूथ के अंदर पोलिंग एजेन्ट, मतदान के दिन काउन्टिंग एजेन्ट के प्रशिक्षण के लिए कुछ करती हो। मतदान के खत्म होने के बाद किस तरह ईवीएम के नंबर लेना है। ईवीएम का क्लोज बटन अपने सामने दबवाना है। इसके बाद उन फार्मों पर जिन पर पोलिंग बुथ पर कितने वोट पड़े की संख्या होती है साइन करना है। उसकी कापी लेना है और मतगणना से पहले तक स्ट्रांग रूम जहां ईवीएम मशीने रखी हैं उनकी निगरानी करना है। यह सारे काम अब करने की जरूरत है। चुनाव आयोग पर आरोप सही हैं। लेकिन विपक्ष को अपनी तरफ से भी कोई कसर छोड़ना नहीं चाहिए। पहले भी बताया कि कांग्रेस ने तो 2018 में दिल्ली में हुए अपने राष्ट्रीय अधिवेशन में ईवीएम के खिलाफ प्रस्ताव पारित किया था। मगर उसके बाद दो लोकसभा चुनाव हो गए। और कई विधानसभा। तो जब तक बीजेपी की केन्द्र में सरकार है चुनाव के तौर–तरीकों में बदलाव होना संभव नहीं दिखता। सुप्रीम कोर्ट ने भी ईवीएम के खिलाफ कोई राहत नहीं दी। तो अब दो ही रास्ते हैं। एक जनता को ज्यादा से ज्यादा मोबलाइज करके वोट ज्यादा डलवाना। और दूसरे विपक्ष की अपनी तरफ से वह सारे काम करना वोटिंग लिस्टों के अंतिम प्रकाशन से पहले उनमें सुधार करवाना, लोगों को पोलिंग बूथ तक ले जाना, पोलिंग बूथ पर आखिरी क्षणों तक कड़ी निगरानी, उसके बाद फार्म 17 सी प्राप्त करना। गिनती में आखिरी तक रहना। गिनती से पहले मशीनों की निगरानी सब करना होगा। याद रहे 1977 के चुनाव में जनता पार्टी ने सारा जोर भारी मतदान करवाने और मतगणना केन्द्रोंकी निगरानी पर लगाया था। इसका पहले से इतना प्रचार किया था कि लगने लगा था कि कोई बड़ी गड़बड़ी होने वाली है। जबकि चुनाव से पहले भी सरकार और चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया था कि यह अफवाहें हैं ऐसा कुछ नहीं है। बाद में साबित भी हुआ कि कहीं न कोई कोशिश थी, और न कुछ हुआ। मगर जनता पार्टी के हो हल्ले ने उसके वोटरों और कार्यकर्ताओं में माहौल बना दिया था। और फिर सबको मालूम है कि 1977 लोकसभा जनता पार्टी जीती और प्रधानमंत्री इन्दिरा गांधी तक खुद हारीं। आज विपक्ष को ऐसा ही माहौल बनाने की जरूरत है। तब तो भेड़िया आया भेड़िया आया– ऐसे ही चिल्ला कर लोगों को एकजुट कर लिया था। आज तो वह संकट सामने ही है। और अपनी कई झलक दिखला चुका है। चुनाव स्वतंत्र और निष्पक्ष नहीं हो रहे इस पर तो आज सबको शंका है। मगर विपक्ष को माहौल बनाना नहीं आता। अभी श्रीनगर में पूरे इन्डिया गठबंधन के नेता जुड़े। शपथ ग्रहण में शामिल हुए। उमर अब्दुल्ला को बधाई दी। और आ गए। सारे नेता वहां एक बैठक कर लेते। जम्मू–कश्मीर जीतने के बाद इंडिया गठबंधन के नेताओं ने आगे की रणनीति बनाई। एक मैसेज चला जाता। मीडिया में भी खबरें आतीं। सब नेताओं के एक साथ बैठे हुए फोटो आते। वीडियो बनता। माहौल बन जाता। कश्मीर डिक्लेयरेशन। श्रीनगर से फिर एक नई शुरूआत। यही तो करना है! बीजेपी पर आरोप लगाते रहते हैं कि वह हेडलाइन मैनेजमेंट करती है। हां करती है। आप को किसी ने रोका है? झारखंड और महाराष्ट्र जीत सकते हैं। लेकिन जीतने की पूरी कोशिश करनी होगी। आधे– अधूरे मन से कुछ नहीं होगा।

# भारत को भूख और गरीबी पर नये सिरे से विचार करने की जरूरत

**डॉ. ज्ञान पाठक**

हाल ही में जारी वैश्विकभूख सूचकांक 2024 और संयुक्त राष्ट्र के वैश्विक बहुआयामी गरीबी सूचकांक 2024 के मद्देनजर, नरेंद्र मोदी सरकार को देश में भूख और गरीबी के गंभीर स्तर पर अपनी आंखें मूंद कर नहीं बैठना चाहिए और देश में विकास की प्रकृति के बारे में बात किये बिना इसके सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि का शोर मचाते हुए चेतावनियों को नहीं दबाना चाहिए, क्योंकि जिस तरह का विकास हो रहा है उससे असमानता तेजी से बढ़ रही है। वैश्विक भूख सूचकांक 2024 ने 100 के पैमाने पर केवल 27.3 के स्कोर के साथ भारत को गंभीर भूख स्तर की श्रेणी में रखा है, जबकि संयुक्त राष्ट्र के वैश्विक बहुआयामी गरीबी सूचकांक 2024 ने कहा कि भारत में दुनिया के किसी भी देश के मुकाबले सबसे ज्यादा गरीब रहते हैं। संयुक्त राष्ट्र के वैश्विक गरीबी सूचकांक 2024 के अनुसार, भारत में 234 मिलियन लोग गरीबी में जी रहे हैं। ये सभी अनुमान भारत में 2011–12 में की गई गरीबी की गणना के अलावा कुछ अन्य आंकड़ों पर आधारित हैं। नवीनतम वास्तविक स्थिति जानने के लिए, भारत को भूख और गरीबी की गणना नये सिरे से करनी चाहिए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकास की कहानी मुख्य रूप से देश में जीडीपी वृद्धि पर निर्भर करती है, और जमीनी स्तर की असमानता, भूख और गरीबी को पूरी तरह से नजरअंदाज कर देती है। इसके अलावा, बड़ी संख्या में अर्थशास्त्रियों ने लंबे समय से यह माना है कि भारत का आधिकारिक जीडीपी आंकड़ा विकास को बढ़ा–चढ़ाकर बताता है। हाल ही में 2023 में जी–20 शिखर सम्मेलन के दौरान, भारतीय राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय ने विकास के बारे में कुछ डेटा जारी किए, जिसकी कई अर्थशास्त्रियों ने बेशर्मी से बढ़ाचढ़ा कर अनुमान लगाने के रूप में आलोचना की। यह भी सर्वविदित है कि आंकड़ों को दबाने के दबाव के कारण–2019 में कुछ शीर्ष अधिकारियों के इस्तीफे सामने आये, जिन्होंने बेरोजगारी के वास्तविक स्तर को लीक कर दिया, जो 45 साल का उच्चतम स्तर था। 2023 में भी कुपोषण और एनीमिया (रक्ताल्पता) से जुड़े एक सर्वेक्षण के निदेशक को देश में इनकी उच्च–स्तरीय घटनाओं को उजागर करने के लिए अपनी नौकरी से हाथ धोना पड़ा। उल्लेखनीय है कि कुपोषण और एनीमिया के आंकड़ों का उपयोग देश में भूख और गरीबी का अनुमान लगाने के लिए कुछ आधारों के रूप में किया जाता है। यह भी याद रखना चाहिए कि कैसे मोदी सरकार ने 2018 के एक सर्वेक्षण को रद्द कर दिया था, जिसके लीक हुए आंकड़ों से गरीबी दर में वृद्धि का स्तर दिखा था। 2012 में अंतिम व्यापक उपभोग–व्यय सर्वेक्षण में 22 प्रतिशत लोगों को गरीबी में रहते हुए दिखाया गया था। अन्य विवरणों में जाने से पहले, कुछ और बातें ध्यान में रखनी चाहिए। भारत ने 1993–94 तक गरीबी के आकलन के लिए यूनिफॉर्म रिसोर्स पीरियड (यूआरपी) का इस्तेमाल किया। यूआरपी के तहत, लोगों से 30–दिन की रिकॉल अवधि में उनके उपभोग व्यय के बारे में पूछा जाता था। फिर 1999–2000 के बाद से मिश्रित संदर्भ अवधि (एमआरपी) को अपनाया गया, जिसमें पिछले वर्ष में उपभोग की गई पांच कम आवृत्ति वाली वस्तुओं (कपड़े, जूते, टिकाऊ सामान, शिक्षा और संस्थागत स्वास्थ्य व्यय) के बारे में पूछा गया और 30–दिन की स्मरण अवधि में अन्य चीजों के उपभोग के बारे में भी पूछा गया। 2011–12 में गरीबी के आकलन में एमआरपी का इस्तेमाल किया गया। हालांति, अब हमारे पास संशोधित मिश्रित संदर्भ अवधि (एमएमआरपी) है जिसका उपयोग भविष्य के सर्वेक्षणों में किया जायेगा, जो अभी सरकार द्वारा किये जाने हैं। वास्तविक समय के ताजा आंकड़ों के अभाव में, भारत में भूख और गरीबी से संबंधित सभी अनुमान क्रॉस सेक्टोरल डेटा पर आधारित अनुमान हैं। ग्लोबल हंगर इंडेक्स 2024 ने भारत को दुनिया के 127 देशों में से 105वां स्थान दिया है। भारत का जीएचआई स्कोर 27.3 इन मूल्यों पर आधारित है – 13.7 प्रतिशत आबादी कुपोषित है, पांच वर्ष से कम आयु के 35.5 प्रतिशत बच्चे अविकसित (स्टन्टेड) हैं, पांच वर्ष से कम आयु के 18.7 प्रतिशत बच्चे कमजोर (वेस्टेड) हैं और 2.9 प्रतिशत बच्चे अपने पांचवें जन्मदिन से पहले ही मर जाते हैं। कुछ ही दिन पहले विश्व बैंक ने भी गरीबी का अनुमान जारी किया है। इसके अनुसार 2024 में भारत में अत्यंत गरीब लोगों की संख्या 129 मिलियन थी, जो प्रतिदिन 2.15 डॉलर (लगभग 181 रुपये) से कम पर जीवनयापन कर रहे थे। हालांकि, प्रतिदिन 6.85 डॉलर (लगभग 576 रुपये) के उच्च गरीबी मानक के साथ 2024 में 1990 की तुलना में अधिक भारतीय गरीबी रेखा से नीचे रह रहे हैं, जो मुख्य रूप से श्जनसंख्या वृद्धिश के कारण है। यहां दो और बातों को ध्यान में रखना चाहिए – पूर्ण गरीबी और सापेक्ष गरीबी। पूर्ण गरीबी वह गरीबी है जब किसी व्यक्ति के पास जीवित रहने के लिए भोजन खरीदने के लिए भी कोई आय नहीं होती है। सापेक्ष गरीबी वह गरीबी है जब किसी व्यक्ति के पास किसी खास बाजार की स्थिति में जीवित रहने के लिए आवश्यक चीजें खरीदने के लिए पर्याप्त आय नहीं होती है। हालांकि, अगर हम पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएम–जीकेएवाई) पर जाएं, तो भारत के 810 मिलियन से अधिक लोग गरीबी में जी रहे हैं, जिन्हें मुफ्त खाद्यान्न दिया जा रहा है। केंद्र ने फैसला किया है कि यह योजना 2029 तक जारी रहेगी। इसके विपरीत, विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय अनुमानों के अनुसार 2024 में भारत की विकास दर 7 से 7.2 प्रतिशत के बीच रहने की उम्मीद है। भारत इस दुनिया का सबसे तेजी से बढ़ने वाला देश है और यह वर्तमान में दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, जो अगले साल 2025 में चौथी बनने वाली है। लेकिन विकास की प्रकृति के बारे में क्या? सबसे बड़ी 20 कंपनियों के पास राष्ट्रीय संपत्ति का 60 प्रतिशत हिस्सा है और राष्ट्रीय आय का 70 प्रतिशत उनके पास ही जाता है। असमानता तेजी से बढ़ रही है। ऑक्सफैम का कहना है कि अब आबादी के शीर्ष 1 प्रतिशत लोगों के पास 73 प्रतिशत संपत्ति है, जबकि 670 मिलियन गरीब लोगों की संपत्ति में केवल 1 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। ऐसी विसंगति का तत्काल निवारण आवश्यक है।

# राघव ने परिणीति को चिढ़ाया और खींचे बाल, एक्टर बोलीं मेरे चांद

परिणीति चोपड़ा और 'आप' राघव चड्ढा पिछले साल राजस्थान के उदयपुर में शादी के बंधन में बंधे थे। परिणीति ने नई दिल्ली में अपना दूसरा करवा चौथ मनाया। सोशल मीडिया पर एक्टिव कपल ने करवा चौथ की तस्वीरें शेयर की। इसमें राघव परिणीति की पोनी टेल खींचते देखे जा सकते हैं। साझा की गई तस्वीरों में से एक में जोड़ा हाथ पकड़े गार्डन में टहलता नजर आ रहा है। दूसरे में जोड़ा एक–दूसरे को देखता तो तीसरे में परिणीति पति राघव को मेंहदी दिखाती नजर आ रही हैं। एक अन्य तस्वीर में राघव, परिणीति की पोनीटेल खींचते हुए नजर आ रहे हैं। राघव चड्ढा ने भी अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर करवा चौथ की तस्वीरें साझा की हैं। तस्वीरों को साझा कर उन्होंने लिखा 'मैं इस बात से बहुत हैरान हूं कि आप पूरे दिन इतनी ताकत के साथ कैसे व्रत करती हैं। आपने सूर्योदय से लेकर चंद्रोदय तक इस दिन में इतना प्यार और समर्पण व्यक्त किया है कि मैं बहुत भावुक हूं... यह मुझे आश्चर्य में डालता है और मैं कभी भी इस तरह की निःस्वार्थता की बराबरी कैसे कर सकता हूं... हैप्पी करवा चौथ, मेरी प्यारी पारू। वहीं, करवा चौथ की तस्वीरों को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर साझा कर परिणीति ने लिखा 'मेरा चांद और मेरे सितारे। मेरे जीवन के प्यार को करवा चौथ की शुभकामनाएं'। साझा की गईं तस्वीरों में परिणीति अन्य महिलाओं के बीच सरगी थाली के साथ व्रत रखते नजर आ रही हैं। इश्कजादे अभिनेत्री ने अपने पहले करवा चौथ व्रत के लिए गुलाबी रंग के सलवार सूट को पहना था, जिसके साथ वह हल्के कान के झुमके को पेयर करती नजर आईं। वहीं, राघव पिस्ता हरे कुर्ता पायजामा के साथ नेहरू जैकेट पहने नजर आए। परिणीति ने इस अवसर के लिए अपनी साधारण सी मेंहदी डिजाइन की एक झलक भी दिखाई थी। परिणीति और राघव ने मई 2023 में दिल्ली के कपूरथला हाउस में सगाई की थी। उन्होंने 24 सितंबर, 2023 को उदयपुर के लीला पैलेस में शादी की थी। परिणीति इसी साल रिलीज इम्तियाज अली द्वारा निर्देशित फिल्म 'अमर सिंह चमकीला' में नजर आई थीं। इस बायोग्राफिकल–ड्रामा में चोपड़ा के साथ दिलजीत दोसांझ भी थे, जिन्होंने फिल्म में लोक गायक अमर सिंह चमकीला का किरदार निभाया था।

> सोशल मीडिया पर एक्टिव कपल ने करवा चौथ की तस्वीरें शेयर की। इसमें राघव परिणीति की पोनी टेल खींचते देखे जा सकते हैं। साझा की गई तस्वीरों में से एक में जोड़ा हाथ पकड़े गार्डन में टहलता नजर आ रहा है। दूसरे में जोड़ा एक–दूसरे को देखता तो तीसरे में परिणीति पति राघव को मेंहदी दिखाती नजर आ रही हैं।

## रोहित शेट्टी का खुलासा, 'सिंघम अगेन' के क्लाइमेक्स पर 'फियर फैक्टर' की टीम ने किया काम

निर्देशक रोहित शेट्टी की एक्शन फिल्म 'सिंघम अगेन' दिवाली के अवसर पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म के रिलीज होने से पहले रोहित शेट्टी ने एक खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि फिल्म के क्लाइमेक्स को उसी टीम ने शूट किया है, जो रियलिटी शो 'फियर फैक्टर रू खतरों के खिलाड़ी' में उनके साथ काम करती है। रोहित शेट्टी हाल ही में 'सिंघम' के पहले पार्ट की रिलीज से जुड़े एक कार्यक्रम में पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने 'सिंघम अगेन' के क्लाइमेक्स पर भी बात की। रोहित शेट्टी ने कहा, हमारे पास लगभग एक हजार लोगों की एक टीम थी, जो फिल्म के क्लाइमेक्स की शूटिंग कर रही थी। अगर आप क्लाइमेक्स देखेंगे तो उसमें कुछ सीन ऐसे हैं, जिसमें 'फियर फैक्टर रू खतरों के खिलाड़ी' की टीम का अहम योगदान है। मेरी और 'फियर फैक्टर' की टीम ने मिलकर अच्छा काम किया है। मुझे लगता है कि लोगों को अब एक शानदार अनुभव होगा, जब वे 'सिंघम अगेन' के क्लाइमेक्स को देखेंगे। मुझे इस बात पर गर्व है कि यह कैसे हुआ। बता दें कि सिंघम अगेन का ट्रेलर हाल ही में रिलीज किया गया था। इसका ट्रेलर हिंदू महाकाव्य रामायण से प्रेरित है। इस फिल्म में अजय देवगन, करीना कपूर खान, रणवीर सिंह, दीपिका पादुकोण, टाइगर श्रॉफ, अर्जुन कपूर और जैकी श्रॉफ सहित हिंदी सिनेमा के कुछ सबसे बड़े सितारे हैं। यह फिल्म शेट्टी के कॉप यूनिवर्स की पांचवीं मूवी है और यह 'सिंघम रिटर्न्स' का सीक्वल है। इसमें शेट्टी के कॉप यूनिवर्स से जुड़ी अन्य फिल्मों के एक्टर भी दिखाई देंगे। यह फिल्म दिवाली पर रिलीज होगी।

# रकुल प्रीत सिंह ने बिस्तर पर आराम करते हुए मनाया पहला करवा चौथ

अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह पीठ की चोट के कारण इन दिनों बिस्तर पर आराम कर रही हैं। वह बिस्तर पर आराम करते हुए अपना पहला करवा चौथ मना रही हैं। अभिनेत्री ने रविवार को अपने इंस्टाग्राम के स्टोरीज सेक्शन में एक वीडियो शेयर किया, जिसमें उनके हाथ मेहंदी से सजे नजर आ रहे हैं। इस साल यह त्यौहार रकुल प्रीत के लिए और भी खास हो गया है क्योंकि आज रकुल की सास का जन्मदिन भी है। आज का दिन इस अवसर को और भी अधिक खुशी और उत्साहित देता है। रकुल ने हाल ही में अभिनेता–निर्माता जैकी भगनानी से शादी की है और वह करवा चौथ के त्यौहार का बेसब्री से इंतजार कर रही थीं। चोट लगने के बावजूद, अभिनेत्री अपने पति के साथ त्योहार मनाने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं, क्योंकि रकुल और जैकी दोनों ने एक साथ व्रत रखने का संकल्प लिया है। अभिनेत्री को इस महीने की शुरुआत में अपने वर्कआउट सेशन के दौरान पीठ में गंभीर चोट लग गई थी, जब वह 80 किलोग्राम का डेडलिफ्ट कर रही थीं। सूत्रों ने पहले बताया था, रकुल पिछले कुछ दिनों से बिस्तर पर आराम कर रही हैं और स्थिति काफी डरावनी है। यह सब 5 अक्टूबर की सुबह शुरू हुआ, जब रकुल अपना वर्कआउट कर रही थीं। उन्होंने बेल्ट पहने बिना 80 किलोग्राम का डेडलिफ्ट किया, इसके परिणामस्वरूप उनकी पीठ में ऐंठन हो गई। हालांकि, अभिनेत्री ने खुद को बहुत मेहनत से संभाला और फिर भी चोट के गंभीर होने पर डॉक्टरों ने उन्हें आराम करने की सलाह दी। चोट के कारण उनकी हालत गंभीर हो गई थी, जिसमें उनकी एल4, एल5, एल1 नसें काम करना बंद कर दी थीं। उन्हें जल्द ही पसीना आने लगा और उनका रक्तचाप कम हो गया, इसके कारण उन्हें बिस्तर पर रहना पड़ा। यहां तक कि उन्ह्होंने अपना जन्मदिन भी दर्द में ही बिताया। सूत्र ने कहा, यह काफी घटना पूर्ण जन्मदिन था, इसमें उन्हें मांसपेशियों को आराम देने वाली दवाएं और इंजेक्शन दिए गए। रकुल हमेशा अपने शरीर को मजबूत रखने वाली महिला हैं। आराम करने के बजाय, उन्होंने शूटिंग जारी रखी, इसके कारण स्थिति गंभीर हो गई।

## टीवी एक्ट्रेस ऐश्वर्या शर्मा ने 'करवा चौथ' पर शेयर की दिलकश फोटो

टीवी एक्ट्रेस ऐश्वर्या शर्मा ने करवा चौथ के अवसर पर कई तस्वीरों को सोशल मीडिया पर शेयर किया। वे इन तस्वीरें में बहुत ही खूबसूरत दिखाई दे रही हैं। रोमांटिक ड्रामा शो गुम है किसी के प्यार में में पत्रलेखा पाखी की भूमिका निभाने वाली अभिनेत्री ऐश्वर्या शर्मा ने करवा चौथ के अवसर पर लाल रंग की साड़ी पहनी। उन्होंने ज्वेलरी भी पहना, जिसमें वह बेहद खूबसूरत लगीं। उन्होंने एक कैप्शन में कुछ इमोजी का यूज करते हुए लिखा, हैप्पी करवा चौथ। टीवी एक्ट्रेस ऐश्वर्या ने एक्टर नील भट्ट के साथ साल 2021 में शादी की है। उनकी मुलाकात श्गुम है किसी के प्यार मेंश के सेट पर हुई थी। नील भट्ट ने भी 'करवा चौथ' के अवसर पर पत्नी के लिए व्रत रखा। उन्होंने हाल ही में इस त्योहार के बारे में एक इंटरव्यू में बात की थी। उन्होंने कहा था, मेरे और ऐश्वर्या के लिए 'करवा चौथ' एक रस्म से बढ़कर है। यह हमारे प्यार का उत्सव है और हम एक–दूसरे के लिए क्या मायने रखते हैं, यह भी बताता है। उन्होंने कहा, हर साल जब हम दोनों व्रत रखते हैं तो हमें एक–दूसरे से मिलने वाली ताकत का अहसास होता है। 'मेघा बरसेंगे' के सेट पर हम अपने प्यार से जुड़े एक त्योहार को सेलिब्रेट कर रहे हैं। हम शूटिंग के साथ अपनी भक्ति, हंसी और करवा चौथ के रिश्तों में आने वाले जादू को दिखाने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। मैं इस दिन का जश्न मनाने वालों को शुभकामनाएं देता हूं। ऐश्वर्या ने साल 2015 में कलर्स टीवी के 'कोड रेड' से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद वे 'संकट मोचन महाबली हनुमान' में जामवंती की किरदार में नजर आई थीं। साल 2020 में वे नील भट्ट के साथ गुम है किसी के प्यार में दिखीं। इसके अलावा ऐश्वर्या शफियर फैक्टर खतरों के खिलाड़ी 13 में भी हिस्सा ले चुकी हैं।

# करण जौहर ने की खास दोस्त करीना कपूर की खिंचाई

फिल्म इंडस्ट्री को एक से बढ़कर एक सफल फिल्में देने वाले लोकप्रिय फिल्म निर्माता करण जौहर का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसमें जौहर अपनी बेस्ट फ्रेंड करीना कपूर खान की सुपरहिट फिल्म कभी खुशी कभी गम के बारे में खुलकर बात करते नजर आ रहे हैं। इस दौरान वह बेबो की खिंचाई भी करते नजर आ रहे हैं। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा यह वीडियो टॉक शो कॉफी विद करण के एक एपिसोड का है। वीडियो में करण जौहर बेबो की खिंचाई करते हुए कहते नजर आ रहे हैं कि उन्होंने कभी खुशी कभी गम के एक सीन में पूरी तरह से और एक्टिंग की है। करीना कपूर और शाहिद कपूर उस वक्त कथित तौर पर एक–दूसरे को डेट कर रहे थे। वीडियो में करण जौहर शो में शाहिद से कहते नजर आ रहे हैं कि करीना फिल्म के एक अंतिम संस्कार वाले सीन में रोती हैं। बाद में उन्होंने करण से पूछा कि फिल्म में किस किरदार की मौत हुई है। जब करण जौहर ने उन्हें बताया कि सीन में अमिताभ बच्चन की मां का किरदार था, तो करीना ने कहा कि उन्हें लगता है कि उन्होंने ओवर एक्टिंग की है। हाल ही में एक कॉमेडी टॉक शो के दौरान करीना ने अपनी बहन के बारे में एक बड़ा खुलासा किया, जब उनसे करिश्मा के पहले बॉलीवुड क्रश के बारे में पूछा गया। इस पर करीना ने तुरंत जवाब दिया मुझे लगता है, सलमान खान, जिससे उनकी बहन लोलो हैरान रह गईं और चौंक पड़ीं। एपिसोड में करीना ने यह भी खुलासा किया कि वह अपने पति सैफ अली खान के लिए सबसे पहले अपने प्यार का इजहार करने वाली थीं और यहां तक कि उन्होंने सैफ को अपने नाम का टैटू बनवाने के लिए भी मजबूर किया। करिश्मा ने यह भी बताया कि ऐसे कई मौके आए हैं जब उन्होंने अपनी बहन से फिल्में देखने के लिए कहा, लेकिन बाद में उन्हें निराशा हाथ लगी क्योंकि वे फिल्में देखने के लिए बिल्कुल तैयार नहीं थीं। शो में एक समय पर अभिनेता–कॉमेडियन कृष्णा अभिषेक अपने चाचा गोविंदा की पोशाक पहनकर आए। कृष्णा अभिषेक के साथ बातचीत करते हुए करिश्मा ने बताया कि वह गोविंदा के साथ एक दिन में ही गाने की शूटिंग कर लिया करती थीं।

# शाम की चाय के साथ केला और रोटी की पकौड़े का उठाएं लुत्फ, बच्चे भी हो जाएंगे खुश

अक्सर हमारे घरों आलू, प्याज या बैंगन के पकौड़े बनाए जाते हैं। खासकर बारिश के मौसम में हम सभी पकोड़े खाना पसंद करते हैं। लेकिन रोजाना एक ही तरह के पकोड़े खाना बोरियत भरा हो सकता है। इसलिए बच्चे हमेशा कुछ अलग बनान के लिए कहते रहते हैं। ऐसे में अगर आप भी बच्चों की फरमाइश पर कुछ अलग बनाना चाहती हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपके साथ आसान तरह के पकोड़े की रेसिपी बताने जा रहे हैं, जो रोटी और केले से तैयार किए जाएंगे। इन पकोड़ों को खाने के बाद हर कोई आपकी तारीफ करेगा।

सामग्री

केले– 2–3

हरा धनिया– 1 बड़ा चम्मच

नमक– स्वादानुसार

चिली फ्लेक्स– 1 चम्मच

लाल मिर्च पाउडर– आधा छोटा चम्मच

हरी मिर्च– 1 चम्मच बारीक कटी

बेसन– 2 बड़े चम्मच

अजवाइन– 1/4 छोटा चम्मच

जीरा– आधा छोटा चम्मच

हल्दी पाउडर– चुटकी भर

तेल– तलने के लिए

पानी– 1 कप

रोटी पकोड़ा बनाने की विधि

रोटी पकोड़ा बनाने के लिए सबसे पहले रात की बची रोटियां और थोड़े कच्चे केले ले लें। अब 2–3 केले को उबालकर उन्हें छील लें और फिर बाउल में मैश करके रख लें। इसके बाद इसमें 1 बड़ा चम्मच बारीक कटा हरा धनिया डाल दें। अब इसमें स्वादानुसार नमक, लाल मिर्च पाउडर, बारीक कटी हरी मिर्च और चिली फ्लेक्स अच्छे से मिक्स करें। अब बेसन का घोल तैयार करें और उसमें 2 बड़े चम्मच बेसन डालकर इसमें आधा छोटा जीरा, चिली फ्लेक्स, 1/4 छोटा चम्मच अजवाइन, नमक, बारीक कटी हुई हरी मिर्च और हल्दी पाउडर मिलाएं। इसके बाद पानी डालकर घोल बना लें। अंत में चुटरी भर बेकिंग सोडा डालें और अच्छे से मिला लें। हालांकि इस बात का ध्यान रखें कि यह घोल ज्यादा गाढ़ा या पतला न हो। इस घोल में मैश किए हुए केले अच्छे से मिला लें। फिर रोटी के 4 से 6 टुकड़े कर लें। अब कड़ाही में तलने के लिए तेल गर्म कर लें और केले व रोटी के टुकड़ को बेसन के घोल में डुबोकर कड़ाही में तलने के लिए डाल लें। फिर इनको सुनहरा ब्राउन होने तक तलें और फिर प्लेट में गर्मागर्म निकालें। इसको हरी धनिया की चटनी के साथ सर्व करें।

# बात-बात पर क्यों डर जाते हैं बच्चे ? यह है फोबिया के लक्षण और बचाव के तरीके



सभी बच्चों का अपना– अपना स्वभाव होता है। कुछ बच्चों को किसी भी बात से फर्क नहीं पड़ता वहीं कई ऐसे भी होते हैं जो छोटी सी बात पर भी डर जाते हैं। यह उनके विकास का एक सामान्य हिस्सा है। ऐसे में धैर्य, समझ और आश्वासन के शब्दों के साथ, आप अपने बच्चे को उनके डर पर काबू पाने में मदद कर सकते हैं।

पहले समझिए बच्चों में डर पैदा होने के कारण और क्या है इसका बचाव

डर का कारण

छोटे बच्चों में डर का विकास एक सामान्य प्रक्रिया है। इसका कारण विभिन्न कारक हो सकते हैं, जैसेरू

नई और अनजान स्थितियांः बच्चे नई चीजों और परिवेश से डरते हैं क्योंकि उनके लिए यह सब अनजान होता है।

अचानक तेज आवाजः बच्चों को अचानक जोर से आवाज, जैसे धमाका, तेज आवाज वाली म्यूजिक, या बिजली की कड़क से डर लग सकता है।

अकेलेपन का डरः बच्चे अपने माता–पिता से अलग होने पर घबराहट महसूस कर सकते हैं, जो एक प्रमुख कारण होता है।

अंधेरे का डरः अंधेरे में कुछ देखने या समझने में कठिनाई के कारण बच्चे डर सकते हैं।

कल्पनाएं और कहानियांः बच्चे अपनी कल्पनाओं में भूत–प्रेत या काल्पनिक पात्रों से डरने लगते हैं।

बच्चों में डर के लक्षण

बच्चों में डर के कुछ सामान्य लक्षण होते हैं, जिनमें शामिल हैं

रात को जागना और डरनाः बच्चे अक्सर नींद में अचानक जाग जाते हैं और किसी डरावनी चीज की शिकायत करते हैं।

माता–पिता के पास चिपकनाः बच्चे डर की वजह से माता–पिता के पास रहना चाहते हैं और उनसे दूर जाने में घबराते हैं।

शारीरिक लक्षणः डर के कारण बच्चों में पसीना आना, दिल की धड़कन तेज होना, हकलाना या कांपना देखा जा सकता है।

खेलने या बाहर जाने में हिचकिचाहटः बच्चा नई जगहों पर जाने या खेल के दौरान दूसरों के साथ जुड़ने से डर सकता है।

अचानक चिड़चिड़ापन या रोनाः किसी विशेष परिस्थिति में बच्चा बार–बार रो सकता है या चिड़चिड़ा हो सकता है।

बच्चे के अंदर को डर को कैसे खत्म करें?

समझ और धैर्यः माता–पिता को बच्चे के डर को समझने के लिए संवेदनशील और धैर्यशील होना चाहिए। उनका डर सामान्य होता है और उसे हल्के में नहीं लेना चाहिए।

सुरक्षा का एहसास करानाः बच्चे को यह विश्वास दिलाना कि वह सुरक्षित है, उसके डर को कम कर सकता है। उसे गले लगाना, पास बैठना, और बात करना सहायक हो सकता है।

खेल के माध्यम से समाधानः बच्चे को खेल–खेल में डर की स्थिति को समझाना और उसे एक सामान्य घटना के रूप में दिखाना।

डर का सामना करनाः बच्चे को धीरे–धीरे उसके डर का सामना कराना, जैसे अगर उसे अंधेरे से डर है तो कमरे की लाइट धीरे–धीरे बंद करना और उसे समझाना कि कुछ भी डरावना नहीं है।

कहानी सुनानाः डर को दूर करने के लिए सकारात्मक कहानियाँ और उदाहरण सुनाना, जिससे बच्चे के मन से नकारात्मकता हटाई जा सके।

नियमित दिनचर्याः बच्चे की दिनचर्या को सुसंगत रखना ताकि वह सुरक्षित और आत्मविश्वासी महसूस कर सके।

नोटः यदि किसी बच्चे का डर लंबे समय तक बना रहता है या बहुत गंभीर होता है, तो एक बाल मनोचिकित्सक से सलाह लेना फायदेमंद हो सकता है।

पीठ दर्द एक आम समस्या है, जिसका अनुभव लोग अपने जीवन में कभी न कभी करते हैं। ज्यादातर मामलों में, यह दर्द मांसपेशियों की समस्याओं से संबंधित होता है, जैसे ज्यादा भारी सामान उठाना या लंबे समय तक एक स्थिति में बैठना। लेकिन यह पहचानना जरूरी है कि लगातार या असामान्य पीठ दर्द कभी–कभी स्पाइन कैंसर का संकेत भी हो सकता है। यह विशेषकर तब सही है जब दर्द की प्रकृति बदलने लगे या अन्य लक्षणों के साथ आए।

स्पाइन कैंसर क्या है?

स्पाइन कैंसर में रीढ़ की हड्डी और उसके आस–पास के टिश्यू में ट्यूमर बनते हैं। इसे मुख्यतः दो प्रकारों में विभाजित किया जाता है। प्राथमिक और द्वितीयक। प्राथमिक स्पाइन कैंसर उन टिश्यू से उत्पन्न होता है जो रीढ़ की हड्डी को बनाते हैं, जबकि द्वितीयक स्पाइन कैंसर तब होता है जब कैंसर शरीर के अन्य अंगों से फैलता है, जैसे कि फेफड़े या स्तन। स्पाइन कैंसर का कमर से ऊपर होना आम है और यह अक्सर गंभीर बीमारी का संकेत होता है।

स्पाइन कैंसर के शुरुआती संकेत

स्पाइन कैंसर के लक्षण धीरे–धीरे शुरू होते हैं, जिसमें निम्नलिखित शामिल हैं

1. पीठ में दर्द जो अचानक बढ़ सकता है
2. आराम करने पर भी राहत न मिलना
3. रात के समय दर्द का बढ़ना
4. पीठ के निचले हिस्से में झटके जैसा दर्द
5. मांसपेशियों में दर्द, झुनझुनाहट, यौन रोग तथा चलने में परेशानी
6. यदि आपको ये लक्षण महसूस होते हैं, तो इसे गंभीरता से लेना आवश्यक है।

जांच के तरीके

स्पाइन कैंसर का निदान करने के लिए सबसे पहले एक विशेषज्ञ से सलाह लेनी चाहिए। इसके बाद, कई तरह की जांचें की जा सकती हैं, जैसे खून की जांच यह शरीर में कैंसर के संकेतों को पहचानने में मदद करती है। डत्प् और ब्ज् स्कैनरू ये इमेजिंग टेस्ट रीढ़ की हड्डी की संरचना की विस्तृत जानकारी देते हैं। स्पाइनल टैप्स यह जांच मस्तिष्क और रीढ़ की हड्डी के तरल पदार्थ की स्थिति को देखती है।

स्पाइन कैंसर से बचने के लिए कुछ महत्वपूर्ण उपाय किए जा सकते हैं

1. वजन को नियंत्रित रखें अधिक वजन कैंसर के जोखिम को बढ़ा सकता है।

2. धूम्रपान और शराब से बचें ये दोनों कारक कई प्रकार के कैंसर का कारण बन सकते हैं।

3. नियमित व्यायाम शारीरिक गतिविधि से शरीर को स्वस्थ रखने में मदद मिलती है और यह कैंसर के जोखिम को कम करती है।

स्पाइन कैंसर का समय पर निदान और उपचार महत्वपूर्ण है। यदि आपको पीठ में लगातार दर्द हो रहा है, तो इसे नजरअंदाज न करें और तुरंत विशेषज्ञ से संपर्क करें। सही समय पर उपचार से रोग की गंभीरता को कम किया जा सकता है और जीवन की गुणवत्ता में सुधार किया जा सकता है।

# सिंपल चोटी को स्टाइलिश बनाने के लिए ट्राई करें ये ट्रेंडी हेयर एक्सेसरीज, दिखेंगी बेहद खूबसूरत





मार्केट में आपको लंबे बालों के लिए एक से बढ़कर एक एक्सेसरीज मिल जाएगी। ऐसे में आज हम आपको कुछ हेयर एक्सेसरीज के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनको देखने के बाद आप गजरा भूल जाएंगी।

जिस तरह से महिलाएं अपने आउटफिट और लुक का ध्यान रखती हैं। ठीक उसी तरह से सुंदरता बढ़ाने के लिए मैचिंग ज्वेलरी पहनना नहीं भूलती हैं। वहीं बालों की सुंदरता भी बढ़ाने के लिए उसपर भी एक्सेसरीज लगाई जाती है। एक समय पर बालों की खूबसूरती बढ़ाने के लिए गजरे का इस्तेमाल किया जाता था। फिर चाहे बाल लंबे हों या छोटे। लेकिन समय के साथ फैशन ट्रेंड में भी बदलाव आया है।

फैशन में हुए इस बदलाव के बाद अब महिलाएं अपने बालों में अलग–अलग तरह की हेयर एक्सेसरीज लगाना पसंद करती हैं। वहीं जिन महिलाओं के बाल लंबे हैं, मार्केट में उनके लिए एक से बढ़कर एक खूबसूरत हेयर एक्सेसरीज मिल जाती हैं। जिनको आप आसानी से बालों में लगा सकती हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ हेयर एक्सेसरीज के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनको देखने के बाद आप गजरा भूल जाएंगी।

ट्रेंडी हेयर एक्सेसरीज

आप लंबी चोटी के साथ पर्ल स्ट्रिंग वाली हेयर एक्सेसरीज ट्राई कर सकती हैं, यह देखने में काफी अच्छी लगती है। लेकिन इस एक्सेसरीज का इस्तेमाल तब ही करें, जब आपकी ज्वेलरी में भी पर्ल का यूज किया गया हो।

कई महिलाओं व लड़कियों का हैवी एक्सेसरीज पहनने का मन होता है, तो आप मल्टी लेयरर्ड गोल्ड हेयर एक्सेसरीज चुन सकती हैं।

लंबी चोटी के साथ इस तरह की पर्ल स्ट्रिंग वाली हेयर एक्सेसरीज काफी सही दिखेगी। इसका इस्तेमाल तब करें, जब आपकी अन्य ज्वेलरी में भी पर्ल का इस्तेमाल किया गया हो। जब आपकी अन्य ज्वेलरी में भी गोल्ड हो, तो आप इसका इस्तेमाल कर सकती हैं।

अगर आप जूड़ा बनाना चाहती हैं, तो आप इस एक्सेसरीज को ट्राई कर सकती हैं। यह एक परफेक्ट ऑप्शन है। इसमें एक्सेसरीज का आकार चांद के जैसा है। शादी आदि के फंक्शन में यह एक्सेसरीज आपकी खूबसूरती में चार चांद लगाने का काम करेगी।आप चाहें तो अलग–अलग एक्सेसरीज को अपनी चोटी में अटैच कर सकती हैं। इसको बटन हेयर एक्सेसरीज कहा जाता है। यह लंबे बालों को पर काफी ज्यादा अच्छी लगती है। इसलिए आपको इसे अपने कलेक्शन में जरूर शामिल करना चाहिए।

आप अपने बालों में गोटा पट्टी और गोल्डन चेन को भी हेयर एक्सेसरीज के जैसे इस्तेमाल कर सकती हैं। यदि आपके लहंगे में गोल्डन रंग है, तो यह एक्सेसरीज आपके लिए एकदम परफेक्ट है।

अगर आप किसी फंक्शन में चटक रंग का लहंगा पहन रही हैं, तो आप ऐसा परांदा भी अपनी चोटी में लगा सकती हैं। इसको चोटी पर क्रिस–क्रॉस की तरह बांधे। यह नीचे से जब लंबा होगा, तभी अच्छा लगेगा।

इस डिजाइन की पारंपरिक हेयर एक्सेसरीज आपकी खूबसूरती बढ़ाने का काम करेगी। आप चाहें तो इसमें अलग–अलग पैंडेट को भी जोड़कर तैयार कर सकती हैं। पैंडेट के अलावा ईयररिंग्स की मदद से भी आप ऐसी एक्सेसरीज तैयार करवा सकती हैं।

## संक्षिप्त

### RBI ने अनधिकृत विदेशी मुद्रा कारोबारी मंचों की चेतावनी सूची में और इकाइयों को जोड़ा

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने अनधिकृत विदेशी मुद्रा कारोबारी मंचों की चेतावनी सूची (अलर्ट लिस्ट) को संशोधित करते हुए टीडीएफएक्स और इनेफेक्स सहित 13 और इकाइयों को इसमें जोड़ा। इस बदलाव के साथ सूची में शामिल इकाइयों की कुल संख्या 88 हो गई है। चेतावनी सूची में उन इकाइयों के नाम शामिल हैं, जो विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम, 1999 (फेमा) के तहत विदेशी मुद्रा में सौदा करने के लिए अधिकृत नहीं हैं। इसके अलावा वे इलेक्ट्रॉनिक कारोबार मंच (रिजर्व बैंक) निर्देश, 2018 के तहत विदेशी मुद्रा लेनदेन के लिए ऐसे मंच संचालित करने के लिए अधिकृत नहीं हैं। सूची में रेंजर कैपिटल, टीडीएफएक्स, इनेफेक्स, यॉर्कएफएक्स, ग्रोलाइन, थिंक मार्केट्स, स्मार्ट प्रॉप ट्रेडर, फंडेडनेक्स्ट, वेल्ट्रेड, फ्रेशफॉरेक्स, एफएक्स रोड, डीबीजी मार्केट्स और प्लसऑनट्रेड शामिल हैं। आरबीआई ने कहा कि चेतावनी सूची में उन इकाइयों, मंचों और वेबसाइट के नाम भी शामिल हैं जो इन अनधिकृत इकाइयों को बढ़ावा दे रही हैं। केंद्रीय बैंक ने कहा कि यह सूची पूर्ण नहीं है और सिर्फ इस सूची में शामिल न होने से किसी इकाई को आरबीआई द्वारा अधिकृत नहीं माना जाना चाहिए।

### उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण से मिली शिकायतों में से 99.1 प्रतिशत का समाधान किया : ओला इलेक्ट्रिक

नयी दिल्ली। ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी ने कंपनी के खिलाफ मिली 10,664 शिकायतों में से 99.1 प्रतिशत का समाधान कर दिया है। कंपनी को ये शिकायतें केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) से मिलीं थी। कंपनी ने सोमवार देर शाम शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि उसने केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण को कारण बताओ नोटिस के जवाब में जानकारी और स्पष्टीकरण भी प्रदान किया है। कंपनी ने

कहा, ''...हमने सीसीपीए से प्राप्त 10,644 शिकायतों में से 99.1 प्रतिशत का समाधान कर दिया है। समाधान करते समय ग्राहकों की संतुष्टि का ध्यान रखा गया है।'' सीसीपीए ने सात अक्टूबर, 2024 को कंपनी को 'उपभोक्ता अधिकारों के कथित उल्लंघन, भ्रामक विज्ञापन और अनुचित व्यापार गतिविधियों' के लिए नोटिस जारी किया था। प्राधिकरण ने कंपनी को कारण बताओ नोटिस का जवाब देने के लिए 15 दिन का समय दिया था। यह नोटिस कंपनी के इलेक्ट्रिक स्कूटर की बिक्री के बाद और सेवा की गुणवत्ता को लेकर सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर ओला के संस्थापक भाविश अग्रवाल और 'स्टैंड–अप कॉमेडियन' कुणाल कामरा के बीच वाकयुद्ध छिड़ने के बाद आया है। कामरा ने ओला इलेक्ट्रिक ग्राहकों के सामने आने वाली बिक्री बाद और सेवा संबंधी समस्याओं को उठाया था।

### बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे पर सौर पार्क की स्थापना के लिए जीईएपीपी का यूपीडा से गठजोड़

नयी दिल्ली। ग्लोबल एनर्जी अलायंस फॉर पीपल एंड प्लेनेट (जीईएपीपी) ने बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे से सटे इलाकों में 1,800 करोड़ रुपये की लागत से 450–500 मेगावाट का सौर पार्क विकसित करने के लिए उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) के साथ गठजोड़ किया है। जीईएपीपी ने मंगलवार को बयान में कहा कि भारत में अपनी तरह की पहली यह महत्वाकांक्षी परियोजना 296 किलोमीटर लंबे बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे पर हरित ऊर्जा गलियारा स्थापित करेगी। यह बुंदेलखंड क्षेत्र को सौर ऊर्जा संचालित बुनियादी ढांचे के लिए एक मॉडल में बदलने का काम करेगा। परियोजना की व्यवहार्यता

का व्यापक अध्ययन करने के बाद जीईएपीपी ने एक्सप्रेसवे के दोनों तरफ 15–20 मीटर के निर्दिष्ट भूमि क्षेत्र पर 450 मेगावाट तक की सौर ऊर्जा परियोजना स्थापित करने की क्षमता की पुष्टि की। बयान के मुताबिक, लगभग 1,800 करोड़ रुपये की लागत वाली इस परियोजना से प्रतिस्पर्धी दर पर बिजली पैदा होगी। इस सौर पार्क की स्थापना करीब 1,700 हेक्टेयर भूमि में की जाएगी। यह सौर पार्क 'निर्माण–स्वामित्व–परिचालन' (बीओओ) मॉडल के तहत संचालित किया जाएगा। वाणिज्यिक परिचालन शुरू होने के बाद से इसकी अवधि को 25 साल तक बढ़ाया जा सकता है। इस परियोजना में एकल चरण की बोली प्रक्रिया शामिल है और बोलीदाता का चयन प्राधिकरण के साथ राजस्व हिस्सेदारी के प्रस्ताव के आधार पर किया जाएगा। यूपीडा आठ अक्टूबर को इस परियोजना के लिए वैश्विक बोलियां आमंत्रित कर चुका है। भारत के 6,000 किलोमीटर लंबे एक्सप्रेसवे नेटवर्क में नवीकरणीय ऊर्जा की अपार संभावनाएं हैं। इसमें बुंदेलखंड सौर राजमार्ग परियोजना अकेले 10 गीगावाट बिजली उपलब्ध कराने की क्षमता रखती है।

# पुणे में कैसा होगा पिच का मिजाज, स्पिनर या बल्लेबाज किसे मिलेगी मदद ?

*दूसरे मुकाबले में भारत और न्यूजीलैंड पुणे के मैदान में आमने–सामने होंगी। हालांकि, पुणे की पिच कैसी होगी ये जानना भी बेहद जरूरी है, क्योंकि बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम की पिच वैसी नहीं थी, जैसी टीम इंडिया ने चाही थी। हालांकि, इसमें पिच क्यूरेटर का कोई दोष नहीं है, क्योंकि बारिश और मौसम की वजह से पिच का मिजाज बदल गया था।*

बेंगलुरू टेस्ट गंवाने के बाद अब भारतीय टीम की पुणे में अग्निपरीक्षा होगी। तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के दूसरे मुकाबले में भारत और न्यूजीलैंड पुणे के मैदान में आमने–सामने होंगी। हालांकि, पुणे की पिच कैसी होगी ये जानना भी बेहद जरूरी है, क्योंकि बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम की पिच वैसी नहीं थी, जैसी टीम इंडिया ने चाही थी। हालांकि, इसमें पिच क्यूरेटर का कोई दोष नहीं है, क्योंकि बारिश और मौसम की वजह से पिच का मिजाज बदल गया था। लेकिन दूसरे टेस्ट में ऐसा कुछ होने वाला नहीं है। क्रिकइंफो की रिपोर्ट की मानें तो पुणे में काली मिट्टी की पिच का इस्तेमाल होने वाला है, जहां पर स्पिनरों को खूब मदद मिलेगी, क्योंकि पिच पर घास नहीं होगी। पिच को फ्लैट और स्लोअर तैयार कराया जा रहा है। बाउंस भी गेंद को यहां कम मिलेगा, लेकिन बेंगुलरु की पिच में तेज गेंदबाजों के लिए काफी मदद थी। मैच के पांचवें और खेल के चौथे दिन तक स्पिनरों के लिए कोई खास मदद पिच से नहीं मिली थी, लेकिन पुणे और फिर मुंबई में स्पिनरों को मदद करने वाली पिचों का इस्तेमाल होगा। हालांकि, मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में लाल मिट्टी की पिच तैयार की जाएगी। वह मुकाबला 1 नवंबर से शुरू होगा। बेंगलुरु की पिच ने टीम इंडिया को कभी ना भूलने वाला गम दिया, क्योंकि टीम 46 रनों पर ढेर हो गई थी। भारतीय टीम के इतिहास में घर पर ये सबसे कम स्कोर था। इससे पहले टीम ने 75 रन पर अपने सभी विकेट खोए थे लेकिन पहली बार टीम 50 का आंकड़ा भी पार नहीं कर सकी। यहां तक कि टीम को 8 विकेट से हार मिली। 36 साल के बाद न्यूजीलैंड के हाथों भारत को हार का सामना करना पड़ा। इस हार का बदला और सीरीज में 1–1 की बराबरी के लिए भारतीय टीम पुणे में भी 3 स्पिनरों के साथ उतरेगी। पिच से भी मदद होगी तो भारत चाहेगा कि उनके स्पिनर यहां कीवी टीम पर हावी रहें।

# बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी से पहले ऑस्ट्रेलिया कप्तान पैट कमिंस का बयान, कहा– 'हम अपनी गलतियों में सुधार करेंगे'

पैट कमिंस ने कहा कि भारत के खिलाफ आगामी बॉर्डर गावस्कर सीरीज में उनकी टीम अपनी गलतियों में सुधार करेगी जिससे एक दशक बाद ट्रॉफी अपने नाम कर सके। दोनों टीमें 22 नवंबर से पर्थ में शुरू हो रही पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला खेलेगी। भारत ने आस्ट्रेलिया में पिछली दो श्रृंखला जीती हैं। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस ने कहा कि भारत के खिलाफ आगामी बॉर्डर गावस्कर सीरीज में उनकी टीम अपनी गलतियों में सुधार करेगी जिससे एक दशक बाद ट्रॉफी अपने नाम कर सके। दोनों टीमें 22 नवंबर से पर्थ में शुरू हो रही पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला खेलेगी। भारत ने आस्ट्रेलिया में पिछली दो श्रृंखला जीती हैं। कमिंस ने स्टार स्पोर्टस प्रेस रूम में कहा ,'' हमने एक ब्रेक लिया था और अब पांच मैचों की श्रृंखला को लेकर मैं काफी उत्साहित हूं।'' उन्होंने कहा, ''भारत के खिलाफ पिछली कुछ टेस्ट श्रृंखलाओं में किस्मत ने साथ नहीं दिया लेकिन हमें आस्ट्रेलिया में खेलने पर हमेशा गर्व होता है।'' भारत ने 2020–21 में बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी जीती थी जब ऋषभ पंत ने दूसरी पारी में नाबाद 89 रन बनाये और भारत ने गाबा पर 328 रन के लक्ष्य का पीछा करके जीत दर्ज की थी। इसी श्रृंखला में भारतीय टीम पहले टेस्ट में 36 रन पर आउट हो गई थी। कमिंस ने कहा ,'' पिछली दो श्रृंखलायें काफी पहले खेली गई और हमें उसे भुलाना होगा। आस्ट्रेलिया के लिये खेलते समय अपेक्षायें काफी होती है। प्रशंसकों की भी और मीडिया की भी। पिछली श्रृंखला काफी कठिन थी और गाबा पर आखिरी सत्र में फैसला हुआ। हम जीत नहीं सके लेकिन हम इस बार गलतियों में सुधार करेंगे।'' उन्होंने पंत को भारत को एक्स फैक्टर कहा लेकिन कहा कि उनकी टीम का फोकस अपनी गलतियों में सुधार करने पर है। उन्होंने आगे कहा कि, ऋषभ ने पिछली बार शानदार प्रदर्शन किया था। वह मध्यक्रम में उनके लिये एक्स फैक्टर है। वह विकेट के पीछे भी लगातार बोलता रहता है और हमें हंसाता है।'' शुभमन गिल और यशस्वी जायसवाल के बारे में पूछने पर कमिंस ने कहा ,'' मैने शुभमन के खिलाफ खेला है लेकिन जायसवाल को ज्यादा खेलते नहीं देखा। दोनों युवा खिलाड़ी हैं और अलग अलग प्रारूपों में काफी रन बनाये हैं।

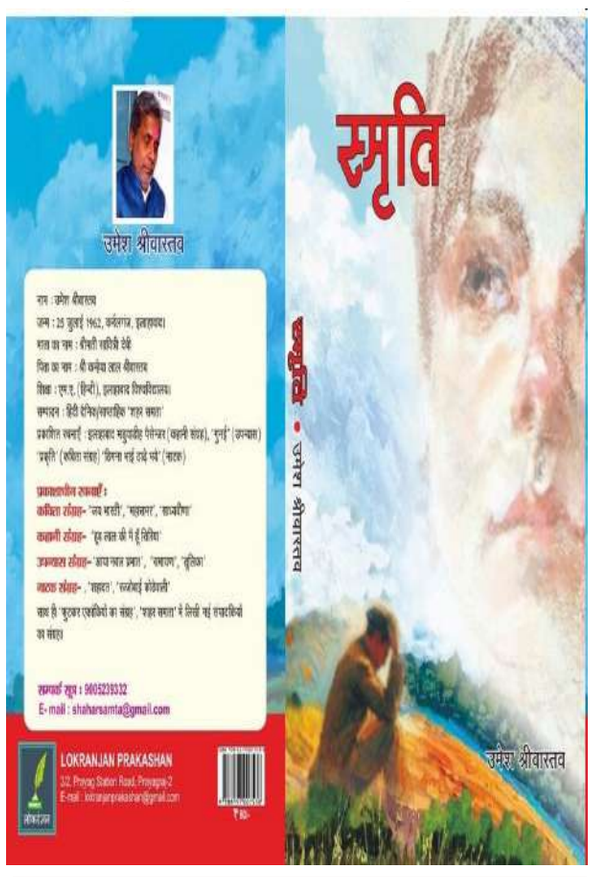


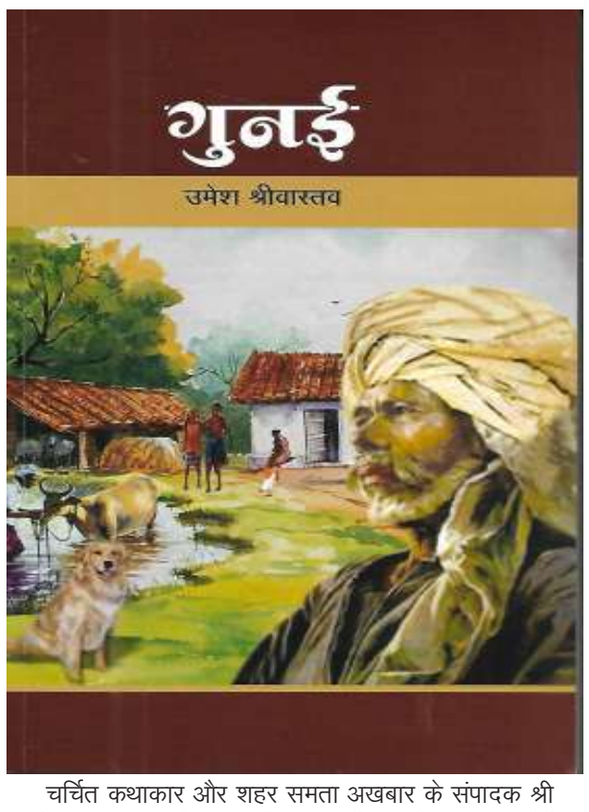


चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित उपन्यास गुनई अमेजन पर उपलब्ध हो गया है। पुस्तक

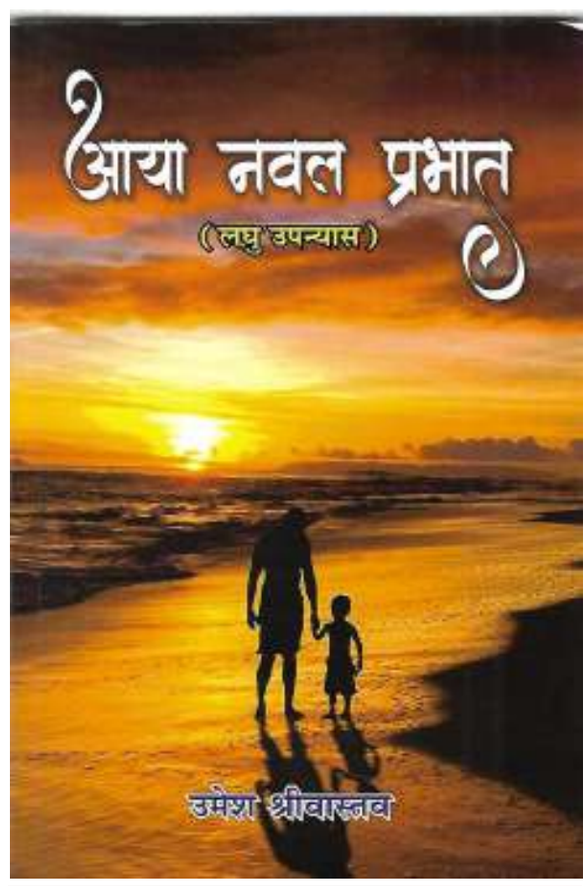


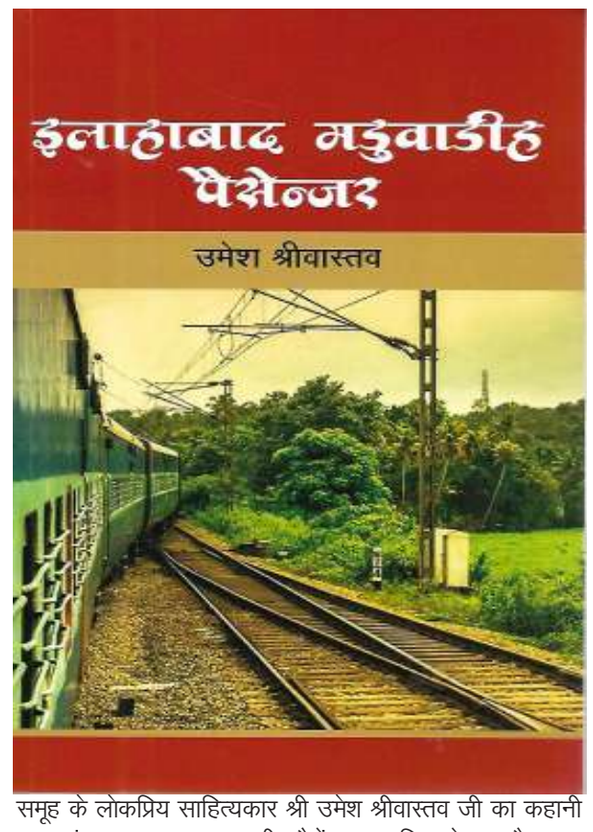


समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना। पुस्तक अमेजन पर उपलब्ध है।

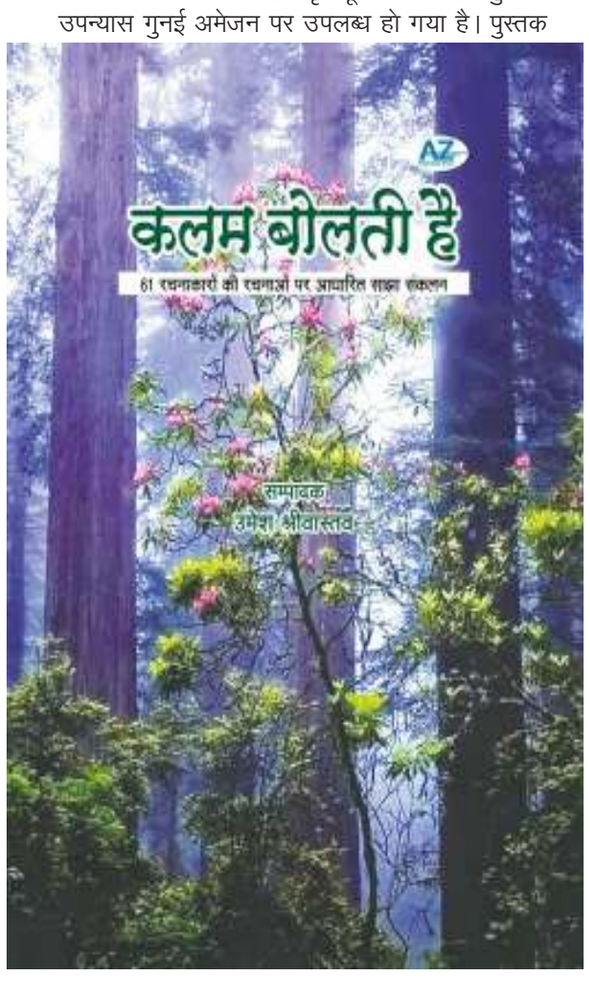


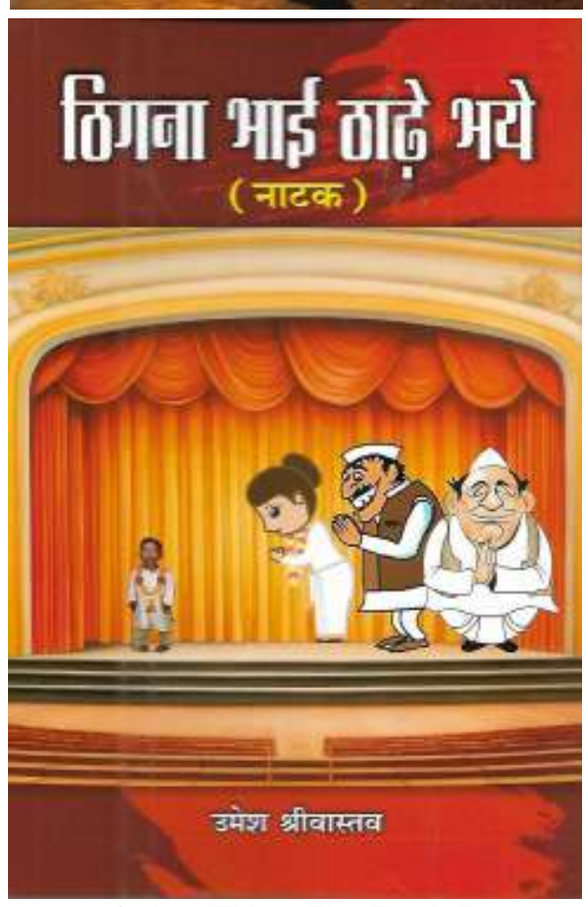


ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

## संक्षिप्त

### ट्रंप का समर्थन कर रहे तीन भारतीय-अमेरिकी नेताओं का हैरिस पर हमला, कहा- उन्हें विदेश नीति का अनुभव नहीं

वॉशिंगटन। अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव को लेकर सियासी गलियारों में हलचल मची हुई है। अब चुनाव होने में एक महीने से भी कम का समय रह गया है। डेमोक्रेटिक की ओर से कमला हैरिस और रिपब्लिकन ने डोनाल्ड ट्रंप को चुनावी मैदान में उतारा है। दोनों ही जीत के लिए अपनी पुरजोर

ताकत लगा रहे हैं। अब उपराष्ट्रपति रिपब्लिकन के तीन भारतीय–अमेरिकी नेताओं के निशाने पर आ गई हैं। उन्होंने आव्रजन एवं विदेश नीतियों में कथित रूप से खामियों को लेकर हैरिस की आलोचना की। सोशल मीडिया पर विज्ञापन के रूप में चलाए जा रहे लुइसियाना के पूर्व गवर्नर बॉबी जिंदल ने एक वीडियो में दावा किया कि हैरिस की दवाओं से जुड़ी योजना 1.2 करोड़ अवैध प्रवासियों को श्गोल्ड प्लेटेडश स्वास्थ्य सेवा देगी। इससे अमेरिका में बड़ी संख्या में अवैध प्रवासी आएंगे। अपने परिवारों और दोस्तों को झूठ के झांसे में नहीं फंसने दें। बता दें, जिंदल का यह वीडियो राजनीतिक मामलों पर कार्रवाई करने वाली समिति अमेरिका फर्स्ट पॉलिसी इंस्टीट्यूट की ओर से जारी किया गया है। 53 साल के जिंदल साल 2008 से 2016 तक लुइसियाना के गवर्नर रहे। 2016 में उन्होंने रिपब्लिकन की ओर से राष्ट्रपति चुनाव में अपनी किस्मत आजमाई थी। शुरुआत में ट्रंप के प्रचार अभियान में कम भागीदारी करने और दूसरी तरफ रहने के बाद जिंदल अब पूर्व राष्ट्रपति की नीतियों का समर्थन करने के लिए फिर से सक्रिय हो गए हैं। जिंदल के अलावा दक्षिण कैरोलिना की पूर्व गवर्नर निक्की हेली और उद्योगपति से नेता बने विवेक रामास्वामी भी राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव मैदान में उतरे थे। हालांकि अब तीनों ही ट्रंप का समर्थन किया है। रामास्वामी ट्रंप के करीबी विश्वासपात्र के तौर पर उभरे हैं और उनके पक्ष में प्रचार कर रहे हैं। हेली ने सोमवार को कहा, श्जब मैं मुद्दों और दोनों उम्मीदवारों के बीच मतभेदों को देखती हूं तो इसमें कोई सवाल ही नहीं उठता कि मैं डोनाल्ड ट्रंप को यह चुनाव जीतते देखना चाहती हूं। हम कमला हैरिस और टिम वाल्ज को नहीं जीता सकते। आपको बस इतना करना है कि कमला हैरिस ने अबतक क्या कहा है। वह नहीं सोचती कि अवैध अप्रवासी गलत हैं। वह सोचती हैं कि हमें उन्हें मुफ्त शिक्षा, रहने के लिए मुफ्त जगह, मुफ्त स्वास्थ्य सेवा देनी चाहिए। उन्होंने दावा किया, श्हैरिस और उनके साथी वाल्ज के पास विदेश नीति का अनुभव नहीं है। उनके पास जो अनुभव है वह ईरान समझौते का विस्तार करना और अमेरिका को मौत की नींद सुला देने वाले आतंकवादी संगठन को और अधिक धन देना है। वहां बहुत सारे मतभेद हैं। हमें यह उम्मीद करनी चाहिए कि डोनाल्ड ट्रंप इस चुनाव में जीत हासिल करें।श इससे पहले उन्होंने यह भी कहा था कि मौजूदा राष्ट्रपति चुनाव इस सदी का सबसे टक्कर वाला चुनाव बनने जा रहा है। हालांकि इन तीन भारतीय–अमेरिकी नेताओं में रामास्वामी हैरिस के सबसे कड़े आलोचक के तौर पर उभरे हैं। वह पूरे देश में ट्रंप के पक्ष में प्रचार कर रहे हैं, खासकर जिन राज्यों में सबसे टक्कर वाला मुकाबला है। पिछले हफ्ते उन्होंने पेंसिल्वेनिया में एक अभियान रैली की थी, जिसमें सैकड़ों लोग जमा हुए थे। एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा, श्उम्मीदवार कमला हैरिस को लेकर ज्यादा चिंतित होने की जरूरत नहीं है। वह एक कट्टरपंथी उदारवादी हैं, जो नतीजे नहीं दे सकतीं और चुनाव प्रचार के दौरान झूठ बोलने के अलावा कुछ नहीं करतीं।

### यूनान के तटीय इलाके में खराब मौसम की चपेट में आई प्रवासियों की नौका, दो लोगों की मौत

यूनान के पूर्वी तटीय द्वीप सामोस के नजदीक प्रवासियों की एक नौका के खराब मौसम की चपेट में आने से दो लोगों की मौत हो गयी जबकि 24 अन्य प्रवासियों को बचा लिया गया। यूनान के तटरक्षक बल ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि उन्हें नौका पर सवार यात्रियों से आपात स्थिति और इस संकट की सूचना मिली थी तथा तट रक्षक बल की गश्ती नाव ने प्रवासियों की नौका को सामोस के उत्तर में आंशिक रूप से जलमग्न पाया। इस हादसे में 22 लोगों को बचा लिया गया तथा जीवित बचे लोगों ने तट रक्षक बल को दो लापता यात्रियों के बारे में सूचित किया। तट रक्षक बल ने बताया कि लापता लोगों – एक पुरुष और एक महिला के शव सोमवार तड़के बरामद कर लिए गए। प्रवासियों की नौका के समुद्र में हादसे का शिकार होने का यह ताजा मामला है। यह प्रवासी निकटवर्ती तुर्किये के तटीय क्षेत्र से या फिर उत्तरी अफ्रीका से भूमध्य सागर को पार कर समुद्री मार्ग से यूरोप के किसी देश में शरण लेने की कोशिश कर रहे थे। इस हादसे में जीवित बचे लोगों ने अधिकारियों को बताया कि उन्होंने उत्तरी लीबिया के बंदरगाह टोब्रुक से यूनान तक के सफर के लिए सात हजार से 10 हजार यूरो प्रति व्यक्ति का भुगतान किया था। पिछले सप्ताह, पूर्वी यूनान के कोस द्वीप के पास उस समय दो महिलाओं और दो बच्चों की मृत्यु हो गई थी, जब तुर्किये से आ रही एक मानव तस्करी नौका पलट गई थी।


### आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227


# रिपब्लिकन उम्मीदवार विवेक रामास्वामी ? का जवाब कट्टरपंथ के मुँह पर तमाचा, हर बार हिंदू ही टारगेट पर क्यों ?

हिंदू धर्म के अनुयायियों को लेकर विदेशों में एक अलग बहस छिड़ गई है। जिसको लेकर रिपब्लिकन उम्मीदवार विवेक रामास्वामी और एक अमेरिकी नागरिक के बीच हालिया बातचीत को लेकर चर्चा हो रही है। जिसमें विवेक रामास्वामी ने हिंदू धर्म को लेकर विरोधी टिप्पणियों पर सवाल खड़े किए। अमेरिका के जॉर्जिया स्टेट में सीनेट का चुनाव लड़ रहे रिपब्लिकन उम्मीदवार विवेक रामास्वामी की काफी चर्चा में है। हाल ही में रिपब्लिकन उम्मीदवार विवेक रामास्वामी और एक अमेरिकी नागरिक के बीच हुई बहस में ''हिंदू धर्म को दुष्ट और मूर्तिपूजक धर्म'' करार दिए जाने पर विवेक रामास्वामी ने जोरदार प्रतिक्रिया दर्ज कराते हुए कहा कि हर बार हिंदुत्व ही निशाने पर क्यों? ऐसी घटना दरअसल अमेरिका में धार्मिक असहिष्णुता के प्रति विभिन्न संस्कृतियों को उजागर करती है, खासकर जब इसकी तुलना भारत से की जाती है। विरोधी पक्ष से हिंदु धर्म के खिलाफ

लगातार आक्रामक टिप्पणी के बावजूद रामास्वामी ने बातचीत को उग्र बनाने या कानूनी कार्रवाई की मांग करने के बजाय शांतिपूर्ण तरीके से अपने धर्म का बचाव किया और इस अवसर को विश्व के लिए एक संदेश देने के रूप में इस्तेमाल किया जो हिंदू दर्शन में निहित गहन सहिष्णुता को रेखांकित करती है। खुद को दुनिया का मुखिया समझने वाले अमेरिका में लंबे समय से कुछ कट्टरपंथी समूह गैर–अब्राहमी धर्मों, विशेष रूप से हिंदू धर्म, को निशाना बनाते रहे हैं, उन्हें ष्मूर्तिपूजकष या अमेरिकी मूल्यों के खिलाफ करार देते रहे हैं। फिर भी, हिंदू धर्म, चाहे भारत में हो या विदेश में, कभी भी वैसा आक्रोश नहीं दिखाता जैसा कि इस्लाम या ईसाई धर्म पर किए गए हमलों पर देखा जाता है। इस बीच अमेरिका में रामास्वामी के एक बयान के बाद हिंदुओं को टारगेट करने के मुद्दे पर बहस तेज हो गई है। हालांकि अमेरिका की एक प्रतिष्ठित न्यूज वेबसाइट द न्यूयॉर्क टाइम्स पर हाल ही में रामास्वामी को लेकर रिचर्ड फॉसेट की एक विस्तृत रिपोर्ट प्रकाशित हुई।

आखिर हिंदू ही हर बार टारगेट पर क्यों?

न्यू हैम्पशायर में एक मतदाता ने रामास्वामी के धर्म के बारे में पूछा, जिसके जवाब में अमेरिका में धार्मिक स्वतंत्रता के महत्व के बारे में पूछा गया। ये सवाल पिछले हफ्ते शनिवार को नेवादा में डेमोक्रेटिक पार्टी के चुनावी अभियान के दौरान रामास्वामी से पूछे गए। इस दौरान उन्होंने यीशु मसीह के बारे में राय पूछे जाने पर कहा कि हिंदू धर्म में, यीशु ईश्वर के एक पुत्र हैं। जबाव में उन्होंने कहा कि हिंदू धर्म सभी को साथ लेकर चलने की बात करता है, लेकिन फिर भी दुनिया के कई देशों में लागातार हिंदुओं को टारगेट किया जाता रहा। दरअसल, लेबर डे वीकेंड पर न्यू हैम्पशायर में एक मतदाता ने रामास्वामी के धर्म के बारे में पूछा, जिसके जवाब में अमेरिका में धार्मिक स्वतंत्रता के महत्व के बारे में पूछा गया– मैं हिंदू हूं और मुझे इस पर गर्व है। मैं बिना किसी माफ़ी के इसके लिए खड़ा हूं। मुझे लगता है कि मैं धार्मिक स्वतंत्रता के रक्षक के रूप में और भी ज्यादा आगे बढ़ पाउंगा।

जानिए कौन हैं विवेक रामास्वामी?

यूएस में विवेक रामास्वामी का नाम उस वक्त चर्चा में आया जब जॉर्जिया में 2020 के चुनाव नतीजों में उन्हें अवैध रूप से हस्तक्षेप का आरोपी माना गया था। रिपोर्ट के मुताबिक, अश्विन रामास्वामी उस समय लॉ स्कूल में पढ़ाई कर रहे थे। वे अपने गृहनगर जॉन्स क्रीक के स्टेट सीनेटर पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ पिछले साल आरोपित 18 लोगों में शामिल थे। इस घटना के बाद उन्होंने खुद चुनाव लड़ने का फैसला किया।

रामास्वामी ने चुनावी अभियान के लिए जुटाए 280 हजार डॉलर

जॉर्जिया स्टेट में सीनेट का चुनाव लड़ रहे रिपब्लिकन कैंडिडेट रामास्वामी ने चुनाव लड़ने के लिए साइबरसिक्योरिटी और इंफ्रास्ट्रक्चर सिक्योरिटी एजेंसी (बै।) में अपनी नौकरी छोड़ दी। रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वी से ज्यादा धन जुटाया और चुनावी अभियान के लिए 280 हजार डॉलर से अधिक एकत्र किए हैं। विवेक रामास्वामी के पास स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी से कंप्यूटर साइंस में बी.एस. और जॉर्जटाउन यूनिवर्सिटी लॉ सेंटर से जे.डी. की डिग्री है।

# हिजबुल्लाह के गुप्त बंकर में मिला 500 मिलियन डॉलर का सोना, नकदी और हथियारों का जखीरा

## स्कूल–असप्तालों के नीचे चल रहा था ये काला धंधा!

इज़रायली सेना ने दावा किया है कि उसने बेरूत में एक अस्पताल के नीचे स्थित ष्गुप्तष हिज़बुल्लाह बंकर में करोड़ों डॉलर की भारी मात्रा में नकदी और सोना खोजा है। इज़राइल ने कहा है कि वह चिकित्सा सुविधा को निशाना नहीं बनाएगा, इसके बजाय अन्य स्थानों पर हिज़बुल्लाह की वित्तीय संपत्तियों पर अपने हमले जारी रखेगा। इजराइल ने दावा किया है कि हिजबुल्लाह ने बेरूत में एक अस्पताल के नीचे एक गुप्त बंकर में 500 मिलियन डॉलर का सोना और नकदी छिपा रखी है, जिसे पहले उसके मारे गए प्रमुख हसन नसरल्लाह चलाते थे। इजराइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) के प्रवक्ता रियर एडमिरल डैनियल हैगरी ने संरचना की एक ग्राफिक फोटो और एक वीडियो सिमुलेशन का खुलासा किया, लेकिन कहा कि यहूदी राष्ट्र की इसे निशाना बनाने की कोई योजना नहीं थी। उन्होंने कहा ष्बंकर को जानबूझकर एक अस्पताल के नीचे रखा गया था, और इसमें आधे बिलियन डॉलर से अधिक की नकदी और सोना है। उस पैसे का इस्तेमाल लेबनान के पुनर्वास के लिए किया जा सकता था, लेकिन यह हिजबुल्लाह के पुनर्वास के लिए चला गया।

गुप्त बंकर में 500 मिलियन डॉलर का सोना और नकदी छिपा रखी थी

हैगरी ने लेबनान के अधिकारियों से हिजबुल्लाह के खिलाफ कार्रवाई करने और सुविधा का निरीक्षण करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, मैं लेबनान सरकार, लेबनानी अधिकारियों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों से अपील करता हूं। हिजबुल्लाह को आतंक के लिए और इजरायल पर हमला करने के लिए पैसे का इस्तेमाल न करने दें।

अस्पतालों, स्कूलों और अन्य संवेदनशील स्थलों का इस्तेमाल हथियार छिपाने के लिए किया गया

आईडीएफ ने हिजबुल्लाह पर हमास के साथ मिलकर अस्पतालों, स्कूलों और अन्य संवेदनशील स्थलों का इस्तेमाल हथियार छिपाने और लड़ाकों को शरण देने के लिए करने का आरोप लगाया है। हगरी ने यह भी बताया कि ईरान हिजबुल्लाह के संचालन को कैसे वित्तपोषित करता है, जिसमें हिजबुल्लाह की वित्तीय शाखा अल–क़र्द अल–हसन की भूमिका भी शामिल है, जो नागरिकों को सेवाएं प्रदान करती है और अपने गुर्गों को भुगतान करती है।

ईरानी शासन हिजबुल्लाह की आय के दो मुख्य स्रोत

हगरी ने दावा किया कि लेबनानी लोग और ईरानी शासन हिजबुल्लाह की आय के दो मुख्य स्रोत हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि समूह द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले वित्तीय तंत्र, जिसमें सीरिया के माध्यम से नकद हस्तांतरण और ईरान के माध्यम से लेबनान में तस्करी किया गया सोना शामिल है। उन्होंने कहा कि लेबनान, सीरिया, यमन और तुर्की में हिजबुल्लाह द्वारा संचालित कारखानों का कथित तौर पर समूह की आतंकी गतिविधियों का समर्थन करने के लिए पर्याप्त आय उत्पन्न करने के लिए उपयोग किया जाता है। उन्होंने कहा कि बंकर दो अन्य इमारतों से जुड़ा हुआ है, जिनका उपयोग प्रवेश और निकास के रूप में किया जाता है। आईडीएफ के अनुसार, बंकर में लंबे समय तक रहने के लिए बिस्तर और कमरे हैं, जो संचालन के लिए कमांड सेंटर के रूप में काम करते हैं।

इजरायल की लड़ाई नागरिकों के खिलाफ नहीं बल्कि ईरान समर्थित आतंकवादी समूह के खिलाफ है–

उन्होंने लेबनान के लोगों से हिजबुल्लाह को अस्पताल के नीचे अपना धन जमा न करने देने का आह्वान किया। हगरी ने कहा कि इजरायल की लड़ाई नागरिकों के खिलाफ नहीं बल्कि ईरान समर्थित आतंकवादी समूह के खिलाफ है जो इजरायल पर हमले करते समय लेबनानी लोगों को ढाल के रूप में इस्तेमाल करता है। उन्होंने कहा, ष्हमारा युद्ध लेबनान के नागरिकों के खिलाफ नहीं है – बल्कि एक जानलेवा आतंकवादी संगठन के खिलाफ है जो खुद को हथियारबंद करना और इस्लामिक रिपब्लिक शासन के हितों के साथ खुद को जोड़ना जारी रखता है। हम सुरक्षा बनाने के लिए काम करना जारी रखेंगे जिससे उत्तर के हमारे निवासी अपने घरों में वापस लौट सकें। इस बीच, हगरी ने दावा किया कि इजरायल ने सोमवार को हिजबुल्लाह के बंकर पर हमला किया, जिसमें समूह के वित्तीय नेटवर्क को लक्षित करते हुए करोड़ों डॉलर की नकदी और सोना रखा हुआ था।

## मध्य पूर्व संकट के बीच रूस में पीएम मोदी, आखिर ब्रिक्स भारत के लिए इतना क्यों महत्वपूर्ण है?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रूस में 16वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के लिए रवाना हुए, उन्होंने मंगलवार को इस बात पर ज़ोर दिया कि भारत इस समूह को कितना महत्व देता है जो दुनिया से जुड़े मुद्दों पर चर्चा के लिए एक वैश्विक मंच के रूप में उभरा है। उन्होंने कहा भारत ब्रिक्स के भीतर घनिष्ठ सहयोग को महत्व देता है जो वैश्विक विकास एजेंडा, सुधारित बहुपक्षवाद, जलवायु परिवर्तन, आर्थिक सहयोग, लचीली आपूर्ति श्रृंखलाओं का निर्माण, सांस्कृतिक और लोगों से लोगों के बीच संपर्क को बढ़ावा देने जैसे मुद्दों पर बातचीत और चर्चा के लिए एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में उभरा है। पिछले कुछ वर्षों में, सऊदी अरब, यूएई, मिस्र, इंडोनेशिया, मलेशिया, थाईलैंड और तुर्की सहित कई देशों ने ब्रिक्स में शामिल होने में गहरी दिलचस्पी दिखाई है। आइए समूह और इसके उद्देश्यों के बारे में समझते हैं, कुछ देशों ने ब्रिक्स में अपनी रुचि क्यों व्यक्त की है, और इसमें भारत की क्या स्थिति है।

ब्रिक्स क्या है, इसके सदस्य कौन हैं?

ब्रिक्स गठबंधन की स्थापना 2006 में ब्राजील, रूस, भारत और चीन ने की थी, जिसमें दक्षिण अफ्रीका 2010 में शामिल हुआ था। हाल ही में इसका विस्तार हुआ है और अब इसमें ईरान, मिस्र, इथियोपिया और संयुक्त अरब अमीरात शामिल हैं। सऊदी अरब ने कहा है कि वह इसमें शामिल होने पर विचार कर रहा है, और अज़रबैजान और मलेशिया ने औपचारिक रूप से आवेदन किया है। ब्रिक्स का घोषित उद्देश्य पश्चिमी नेतृत्व वाली वैश्विक व्यवस्था को संतुलित करने के लिए प्रमुख उभरती अर्थव्यवस्थाओं की आवाज़ को बढ़ाना है। इसके संस्थापक सदस्यों ने एक निष्पक्ष विश्व व्यवस्था और संयुक्त राष्ट्र, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक जैसी अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं में सुधार का आह्वान किया है। सदस्य देशों के राष्ट्राध्यक्ष और सरकारें सालाना बैठक करती हैं और प्रत्येक देश समूह की एक साल की घूर्णन अध्यक्षता करता है। ब्रिक्स संयुक्त राष्ट्र, विश्व बैंक या पेट्रोलियम निर्यातक देशों के संगठन (ओपेक) जैसा औपचारिक बहुपक्षीय संगठन नहीं है। दोनों देश मिलकर दुनिया की 40: से अधिक आबादी और वैश्विक अर्थव्यवस्था का एक चौथाई हिस्सा हैं। सभी ब्रिक्स देश प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के जी20 का हिस्सा हैं। भू–राजनीति के अलावा, समूह का ध्यान आर्थिक सहयोग और बहुपक्षीय व्यापार और विकास को बढ़ाने पर है।

कुछ देश ब्रिक्स में क्यों शामिल होना चाहते हैं?

ईरान, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, अर्जेंटीना, अल्जीरिया, बोलीविया, इंडोनेशिया, मिस्र, इथियोपिया, क्यूबा, घ्घ्कांगो लोकतांत्रिक

# लाहौर दुनिया की सबसे ज्यादा प्रदूषित शहर, वायु गुणवत्ता 400 के करीब

पाकिस्तान का लाहौर शहर दुनिया का सबसे ज्यादा प्रदूषित शहर है, जानकारी के अनुसार शहर की वायु गुणवत्ता सूचकांक 400 के करीब (अभी 394) है। हालांकि पाकिस्तान की पंजाब सरकार ने स्मॉग के प्रभाव को कम करने के लिए कृत्रिम बारिश की योजना बनाई है। इस मामले में पंजाब के सूचना मंत्री आजमा बोखारी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, कल लाहौर को दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर घोषित किया गया था। हमने इस मामले को सुलझाने के लिए कई पहल की हैं और अब हम शहर में कृत्रिम बारिश की योजना बना रहे हैं। वहीं मरियम नवाज की पंजाब सरकार ने श्एंटी–स्मॉग स्क्वॉडश भी लॉन्च किया है, जो स्मॉग प्रभावित इलाकों का दौरा करेगा। ये दस्ते किसानों को फसल अवशेषों को जलाने के खतरों के बारे में शिक्षित करेंगे, सुपर सीडर के उपयोग को बढ़ावा देंगे और अवशेषों के निपटान के लिए वैकल्पिक तरीके सुझाएंगे।

सरकार ने स्मॉग के खिलाफ युद्ध की घोषणा की– औरंगजेब

पंजाब की वरिष्ठ मंत्री मरियम औरंगजेब, जो पर्यावरण मंत्रालय संभालती हैं, ने कहा, स्मॉग से निपटने के लिए उठाए गए कदमों के सकारात्मक प्रभाव 8 से 10 वर्षों में दिखाई देंगे। पर्यावरण संरक्षण को प्रांत के पाठ्यक्रम में एक विषय के रूप में शामिल किया गया है, और कहा कि सरकार ने स्मॉग के खिलाफ युद्ध की घोषणा की है। उन्होंने किसानों से फसल अवशेषों को जलाने से बचने का आग्रह किया, उन्होंने जोर देकर कहा कि ऐसा करने से न केवल फसलों को बल्कि उनके बच्चों के स्वास्थ्य को भी नुकसान पहुंचता है।

मरियम नवाज ने भारत के साथ जलवायु कूटनीति का किया आह्वान

बता दें कि इस महीने की शुरुआत में पंजाब की मुख्यमंत्री मरियम नवाज ने प्रांत में धुंध के प्रभाव को कम करने के लिए भारत के साथ जलवायु कूटनीति का आह्वान किया था। उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों को धुंध से निपटने के लिए संयुक्त प्रयास करने चाहिए, उन्होंने कहा कि भारत के पंजाब में पराली जलाने से हवा की दिशा के कारण सीमा पार प्रभाव पड़ता है। उन्होंने कहा, इस मुद्दे को भारत के साथ तुरंत उठाया जाना चाहिए। सीएम ने कहा, पर्यावरण सुधार में आने वाली बाधाओं को दूर किया जाना चाहिए। धुंध के कारण सांस लेने में कठिनाई होती है और आंखों की रोशनी खराब होती है।

क्या वायु गुणवत्ता सूचकांक?

वायु गुणवत्ता सूचकांक हवा में कई प्रदूषकों की सांद्रता का एक माप है। 100 से ऊपर का वायु गुणवत्ता सूचकांक अस्वस्थ माना जाता है और 150 से ऊपर का वायु गुणवत्ता सूचकांक बहुत अस्वस्थ माना जाता है।

फसल अवशेषों समेत ऐसे बढ़ता है स्मॉग?

बता दें कि फसल अवशेषों को जलाने और औद्योगिक उत्सर्जन से स्मॉग संकट को बढ़ावा मिला है। खतरनाक स्मॉग के कारण शहर के निवासियों में खांसी, सांस लेने में कठिनाई, आंखों में जलन और त्वचा संक्रमण समेत व्यापक स्वास्थ्य समस्याएं पैदा हुई हैं। स्मॉग – धुएं और कोहरे के संयोजन के लिए उपनाम – एक विशिष्ट घटना है जो तब होती है जब कुछ प्रदूषणकारी सूक्ष्म कण ठंडी, नम हवा के साथ मिल जाते हैं और जमीन के करीब लटक जाते हैं, जिससे दृश्यता कम हो जाती है और स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं पैदा होती है।


प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।